डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 74 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 23 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

मौसम: छाए घने बादल

सर्दी से हल्की राहत, बारिश के आसार नहीं

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पिछले दो तीन दिनों में कड़ाके की ठंड ने कंपकपाया है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते हल्के बादल भी छाए रहे। शुक्रवार सुबह से घने बादल छाए रहे। हालांकि बारिश की सम्भावना नहीं है। बादलों के कारण कड़ाके की ठंड से थोड़ी राहत है। न्यूनतम तापमान 11 डिग्री और अधिकतम तापमान 24 डिग्री के आसपास बना हुआ है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि अभी अफगानिस्तान, ईरान के आसपास वेस्टर्न डिस्टर्बेस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है, जो अगले एक-दो दिन में उत्तर भारत में असर दिखाएगा। इसका असर मध्यप्रदेश में भी रहेगा। लेकिन, बारिश के आसार नहीं बन रहे हैं। घने बादलों से सर्दी का असर कम होगा। लेकिन, दिन में ठंडक जरूर रहेगी।

कर्जदार हुआ धरतीपुत्र

ऋण माफी की उम्मीद में मूलधन भी जमा नहीं कराया, 55 हजार किसान हुए ओवर ड्यू, 167 करोड़ से अधिक बकाया

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव में किसान दोनों ही राजनीतिक दल के लिए बड़ा मुद्दा थे। ऐसे में कांग्रेस ने वर्ष 2018 की तरह इस बार भी चुनाव से पूर्व किसान कर्ज माफी का वादा किया था। तो वहीं पूर्व में वर्तमान सरकार किसानों की ब्याज राशि माफ कर चुकी है। लेकिन, चुनावी समर में कर्ज माफी की उम्मीद लगाए किसानों ने ब्याज माफ होने के बाद मूलधन भी जमा नहीं किया तो पिछला कर्ज जमा कराने के बजाए किसानों ने चालू वर्ष में 544.33 करोड़ का नया कर्ज ले लिया। बकाया होने के कारण 55 हजार से अधिक किसान ओवर ड्यू हो गए। जिन्हें अब सोसायटियों के नियमित लेन-देन से लेकर खाद की सुविधा भी नहीं मिल रही है। ऐसे में अब चुनाव के बाद किसानों पर कर्ज की समस्या बढ़ गई है। जिले का किसान फिर से सोसायटियों का कर्जदार बन गया और ब्याज राशि बढ़ने के साथ ओवरड्यू भी हो चुका है।

पिछला चुकाने के बजाए 544 करोड़ और ले लिया ऋण...

सोसायटियों से कर्ज लेने के मामले में किसान अव्वल है। लेकिन, चुकाने के मामले में फिसड्डी है। हालांकि चुनाव हो चुके है और अब माना जा रहा है कि किसानों से कर्ज की वसूली प्रक्रिया शुरु होगी। पूर्व का 167 या करोड़ से अधिक का बकाया है और इस फेर में किसान ओवरड्यू हो गए, लेकिन मूलधन नहीं चुकाया। पिछला भले ही नहीं चुकाया लेकिन चालू वर्ष में 1 लाख 15 हजार किसानों ने करीब 544.33 करोड़ रुपए का नया कर्ज भी 1 अप्रेल से अब तक की स्थिति में ले लिया। रबी सीजन के साथ ही वित्तीय वर्ष के अंतिम दौर में कर्ज अदायगी करना होगी।

55 हजार किसानों पर 167.13 करोड़ बकाया...

जिले की 104 सोसायटियों में 55 हजार 92 किसानों पर 167.13 करोड़ की राशि पूर्व की बकाया है। इस बकाया राशि के कारण यह किसान ओवरड्यू हो गए। जिन्हें सोसायटियों से खाद नहीं मिला और इन पर ब्याज की राशि भी बढ़ती जा रही है। बकाया राशि का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। लेकिन, किसान राशि जमा कराने में रुचि नहीं ले रहे है। अब रबी सीजन की फसल आने के बाद ऋण जमा कराने का दौर शुरु होगा और उसी समय सोसायटियां भी वसूली के काम में वित्तीय वर्ष को देखते हुए तेजी लाएगी।

खाद के लिए किसानों को होना पड़ा परेशान...

सोसायटियों में ओवरड्यू किसानों को यूरिया खाद नहीं दिया गया। ऐसे में उन्हें खाद के लिए नगद केंद्रों की ओर रुख करना पड़ा। रबी सीजन में बोवनी के बाद जिले में किसानों को खाद के लिए परेशान होना पड़ा। ओवरड्यू होने के कारण किसानों को नगद केंद्र पर निर्भर होना पड़ा। ओवरड्यू के कारण ही सोसायटियों में किसानों को खाद नहीं मिला तो अन्य जगह दौड़ लगाना पड़ी।

86 करोड़ किसानों का हुआ था ब्याज माफ...

पूर्व में कर्ज माफी के चक्कर में किसान ओवर ड्यू होकर सोसायटियों की नियमित लेने- देन और खाद की सुविधा से वंचित हो गए थे। ऐसे में चुनाव से कुछ माह पहले सरकार ने मुख्यमंत्री ब्याज माफी योजना लागू की। इसमें जिले के भी 39 हजार 521 किसानों का 86 करोड़ 16 लाख रुपए का ब्याज माफ हुआ। ब्याज की इतनी बड़ी राशि माफ होने के बाद किसानों का ओवरड्यू का तमगा हटा। लेकिन, फिर चुनाव को नजदीक देखते हुए कर्ज माफी के इंतजार में किसानों ने मूलधन ही जमा नहीं किया और फिर से किसानों पर मूलधन के उम्रर ब्याज राशि बढ़ी और किसान ओवरड्यू हो गए।

फैक्ट फाइल...

जिले में सोसायटियों- 104
ओवरड्यू किसानों की संख्या-55 हजार 92
ओवरड्यू किसानों की बकाया राशि- 167.13 करोड़ रुपए
चालू वर्ष में ऋण वितरित- 544.33 करोड़ रुपए
चालू वर्ष में ऋण लेने वाले किसानों की संख्या- करीब 1 लाख 15 हजार
पूर्व में ब्याज माफ हुआ था-39 हजार 521 किसानों का
ब्याज माफी की राशि -86 करोड़ 16 लाख रुपए है।

प्याज के भाव को लेकर हंगामा

सड़क पर उतरे किसान, किया चक्काजाम

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कृषि उपज मंडी में आया किसान एक बार फिर सड़क पर उतर आया। आक्रोश था प्याज के दाम कम मिलने का। प्याज के कम दाम मिलने पर किसानों ने जमकर हंगामा करते हुए मनासा-नीमच हाईवे राजमार्ग पर चक्का जाम कर दिया। करीब डेढ़ घंटे चले हंगामे के बाद तहसीलदार रमेश मसराम की समझाइश के बाद किसान माने और हंगामा शांत हुआ। जानकारी के अनुसार गुरुवार को मंदसौर कृषि उपज मंडी में प्याज 2 हजार रुपए क्विंटल तक विक्रय हुआ था। लेकिन, आज शुक्रवार को जब मंदसौर कृषि उपज मंडी शुरू हुई तो किसानों को प्याज के दाम आधे ही मिले। हंगामें और चक्काजाम की सूचना मिलते ही तहसीलदार रमेश मसराम मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाइश दी। इसके बाद किसान माने और सड़क पर आवागमन शुरू हो सका। तहसीलदार के निर्देश पर मंडी दोबारा शुरू हुई, इसके बाद भी फिर किसानों को प्याज के दाम रास नहीं आए तो दोबारा हंगामा किया। करीब दो घंटे चले हंगामे के बाद किसान समझे।

किसानों का कहना...

किसान रामनारायण सहित अन्य किसानों ने बताया कि कल प्याज का भाव 2000 रुपए क्विंटल तक रहा था। लेकिन, आज व्यापारियों ने आधे दाम में प्याज की खरीदी शुरु की। इससे किसान आक्रोशित हो गए। वहीं एक और किसान श्यामलाल ने बताया कि कल हमारे साथी का प्याज 1700 रुपए क्विंटल विक्रय हुआ था। आज वही प्याज 600 रुपए क्विंटल बिका, किसान का कहना है कि एक ही दिन में ऐसा क्या हो गया की भाव इतने गिर गए।

प्याज की हो रही बंपर आवक...

इन दिनों मंदसौर कृषि उपज मंडी में प्याज की बम्पर आवक हो रही है। लेकिन, किसानों को प्याज का दाम कम मिल रहा है। मंदसौर कृषि मंडी में करीब एक हजार बोरी प्याज की आवक प्रतिदिन हो रही है। लेकिन, किसानों को प्याज की लागत भी नहीं मिल पा रही रही है। शुक्रवार को किसानों को 200 से एक हजार रुपए प्रति क्विंटल का भाव मिला। इससे किसान नाराज हो गए और हंगामा कर दिया।

रतलाम-महाराष्ट्र से प्याज की आवक...

जिले और आस-पास के साथ रतलाम और महाराष्ट्र से भी प्याज की आवक हो रही है। ऐसे में सभी जगह थोक से लेकर खेरची के भाव में गिरावट हो रही है। कृषि उपज मंडी नीमच में भी लगातार आवक के साथ थोक में प्याज के भाव 4 से 22 रुपए किलो के आसपास बने हुए हैं। इसके बाद भी सब्जी मंडी में खेरची में प्याज 30 से लेकर 50 रुपए किलो बिक रहा है।

अक्टूबर में थे 15 से 65 रुपए किलो भाव...

इस साल विधानसभा चुनाव के पहले से प्याज के भाव आसमान छू रहे हैं। सितंबर माह से ही प्याज के भाव तेजी लिए होकर अक्टूबर माह तक थोक में 15 से लेकर 65 रुपए किलो तक बिक रहा था तो खेरची में 30 से लेकर 90 रुपए किलो तक के आसपास भाव रहे हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान कुछ भाव कम हुए। लेकिन, आवक कम होने से ज्यादा अंतर नहीं आया और नवंबर माह में भी भाव तेजी लिए रहे। दिसंबर माह में जिले और आसपास के क्षेत्रों के साथ रतलाम से प्याज की आवक शुरू हुई तो भाव में गिरावट का दौर शुरू हुआ।

पुलिस लाइन में जनरल परेड, पुलिस कप्तान ने किया निरीक्षण

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया द्वारा पुलिस लाइन मंदसौर में आयोजित जनरल परेड का निरीक्षण किया गया, परेड एवम गणवेश संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाकर कर्मचारियों हेतु ओ. आर. भी रखा गया। पुलिस लाइन मंदसौर में जनरल परेड का आयोजन किया गया। जिसमे पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया द्वारा परेड की सलामी ली गई। सलामी के पश्चात परेड में उपस्थित राजपत्रित/अराजपत्रित अधिकारी कर्मचारियों के टर्नआउट का निरीक्षण भी किया गया। पुलिस कप्तान द्वारा परेड के निरीक्षण करने के दौरान सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। परेड के दौरान जिले के अन्य राजपत्रित/अराजपत्रित अधिकारी, जिले के समस्त थानों/चौकी का बल एवम डॉग स्क्वायड भी उपस्थित रहा। परेड के पश्चात कर्मचारियों के लिए ओ.आर. भी रखा गया।

बेस्ट ऑफ़ फाइव योजना बंद होने से अब गणित का तनाव

दसवीं में 50 प्रतिशत बच्चे गणित को कर रहे थे बॉय-बॉय

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गणित एक ऐसा विषय है, जिससे ज्यादातर विद्यार्थी दूर भागते हैं। ऐसे में यदि उन्हें विषय चुनने की आजादी मिल जाए तो कहना ही क्या। यह जानकर हैरानी होगी कि हर साल जिले ही नहीं, प्रदेशभर में 50 प्रतिशत बच्चे 10 वीं कक्षा में गणित छोड़ देते हैं। जबकि, विशेषज्ञों के अनुसार किसी विश्वविद्यालय, कॉलेज की प्रवेश परीक्षा हो या फिर सरकारी नौकरी की प्रतियोगी परीक्षा, इन सभी में गणित के प्रश्न जरुर पूछे जाते हैं। बैंकिंग से लेकर एसएससी, सीजीएल, सी-टेट, सीडीएस, एयरफोर्स और रेलवे जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी बड़ी संख्या में गणित के प्रश्न होते हैं। इन परीक्षाओं में सफलता तभी मिलती है, जब गणित में मजबूत पकड़ हो। लेकिन, अब बेस्ट ऑफ फाइव योजना बंद होने से गणित विषय को पास करना जरुरी है।

इसलिए शुरु की थी योजना...

सरकार की लाख कोशिशों के बाद भी पिछले एक दशक से 10 वीं कक्षा का रिजल्ट 50 प्रतिशत के आंकड़े को पार नहीं कर पा रहा था। इसलिए रिजल्ट का प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2018 में बेस्ट ऑफ फाइव पद्धति लागू की गई थी। इससे रिजल्ट का प्रतिशत तो बढ़ गया, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों ने गणित विषय छोड़ दिया। अब विभाग ने इस योजना को बंद करने का प्रस्ताव दिया है, अगले साल से इसे लागू करने की योजना है।

इनका कहना... गणित पर फोकस, तो नौकरी में आसानी...

सरकारी नौकरियों की ज्यादातर परीक्षाओं में 10वीं-12वीं तक के गणित के प्रश्न पूछे जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि 10वीं-12वीं के गणित पर फोकस हो। यदि इन कक्षाओं के गणित को अच्छी तरह समझ और सुलझा लिया, तो आगे के रास्ते खुल जाते हैं। आमतौर पर इन कक्षाओं में पढ़ने के दौरान तो सवाल हल करना आसान होता है। लेकिन, बाद में जब प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते हैं, तो इन्हीं प्रश्नों को हल करना कठिन लगता है।

महिला आरक्षक से छेड़छाड़ करने वाले एसआई पर केस दर्ज

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विभागीय कार्य से आबकारी विभाग के एसआई के साथ गई महिला आरक्षक के साथ शराब के नशे में एसआई द्वारा छेड़छाड़ की गई। जिसकी शिकायत महिला आरक्षक ने पुलिस को की। जिसके बाद पुलिस ने जांच कर एसआई के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता ने 19 दिसंबर को पुलिस को आवेदन दिया था। इसमें पीड़िता ने बताया की एसआई वैभव ठाकुर उस पर बुरी निगाह रखता है। पीड़िता के दिए आवेदन के अनुसार 10 दिसंबर को एसआई उसे विभागीय कार्य के लिए गरोठ ले गए थे। इस दौरान एसआई वैभव ठाकुर में शराब के नशे में गलत बाते करते हुए छेड़छाड़ की कोशिश की थी। तब अधिकारियों को शिकायत की बात कहने पर एसआई ने दूसरे दिन माफी मांग ली थी। इसके तीन चार दिन बाद एसआई ने पीड़िता को एक कार्रवाई के सिलसिले में नाहटा चौराहा बुलाया और साथ ले गए, यहां भी आरोपी ने पीड़िता के साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपी ने कॅरियर बर्बाद करने की धमकी दी। पीड़िता ने एसआई की हरकतों की बात अपने पति को बताई, इसके बाद पीड़िता ने महिला थाना पुलिस को एक शिकायती आवेदन देते हुए एसआई द्वारा बुरी नजर रखने, छेड़छाड़ करने के आरोप लगाते हुए शिकायती आवेदन दिया। मामले में महिला थाना प्रभारी अनुराधा गिरवाल को जांच सौंपी गई। जिसमें महिला आरक्षक के लगाए गए आरोप सही पाए जाने पर आरोपी एसआई वैभव ठाकुर के खिलाफ धारा 354, 354(ए)(1)(2), 354(डी), 506, 342 के तहत प्रकरण ...शेष पेज 4 पर

पहले दिन सख्ती, दूसरे दिन समझाईश

पटरी पर नहीं आई व्यवस्था, कलेक्टर-एसपी फिर निकले बाजार में

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अतिक्रमण से लेकर यातायात व्यवस्था तक शहर के हालात खराब है। मुख्य मार्ग पर स्थिति ऐसी है कि दुकानदारों ने अपनी दुकान से ज्यादा अतिक्रमण कर रखा है, उससे आगे ठेले वाले और फुटपाथ पर व्यापार करने वाले बैठे है। ऐसे में जब गुरुवार को कलेक्टर-एसपी पूरे दल-बल के साथ सड़क पर उतरे तो लगा शायद अब शहर अतिक्रमण से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा, शहर के यातायात में सुधार आएगा। लेकिन, यह मुहिम एक दिन बाद ही समझाईश पर आकर थम गई। शुक्रवार को कहीं भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया... कलेक्टर-एसपी जरुर शहर के दौरे पर निकले। लेकिन, व्यापारियों को अतिक्रमण हटाने के लिए केवल समझाया।

गुरुवार को मंदसौर क्षेत्र के मुख्य बाजार से अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरु किया गया था, कलेक्टर दिलीप कुमार यादव और पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया ने इस अभियान नेतृत्व किया। जिससे लग रहा था कि लंबे समय बाद जिले के प्रशासनिक और पुलिस मुखिया सड़क पर अतिक्रमण हटाने के अभियान पर निकले है तो शहर की सड़को से अवैध अतिक्रमण हट जायेगा। लेकिन, अगले ही दिन मुहिम पूरी तरह से थमी हुई दिखाई दी। सुबह व्यापारियों ने बाजार में अपना सामान नहीं फैलाया। लेकिन, जब दोपहर तक पता लगा कि आज किसी तरह की मुहिम नहीं चल रही तो फिर से सड़क पर सामान फैलने लगा था। हालांकि, फुटकर व्यापारी मुहिम से घबराए हुए थे। जिसके कारण फैरी लगाने वाले और ठेले वाले सड़क किनारे ही खड़े रहे। लेकिन व्यापारियों का अतिक्रमण पूरी तरह से सड़क पर मौजूद था।

नगर सेवा चालक बिगाड़ रहे यातायात...

मंदसौर शहर में अतिक्रमण के साथ ही यातायात व्यवस्था भी बदहाल है। मुख्य मार्ग पर यातायात की बिगड़ी स्थिति तो लग रहा है मंदसौर में यातायात पुलिस है हीं नहीं, बिगड़ी व्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा नगर सेवा टेम्पों योगदान दे रहे है। इसके साथ ही पार्किंग स्थलों का अभाव भी जिम्मेदार बताया जा रहा है। शहर के मुख्य मार्ग घंटाघर से पोस्ट ऑफिस की तरफ जाने वाले मार्ग पर टेम्पों रुक रहे है। वह भी एक नहीं बल्कि मोड़ से लेकर चौराहे तक दो-से तीन टेम्पों एक साथ खड़े होकर सवारियों का इंतजार करते है। हालत यह है कि यहां से दुपहिया वाहन चालक तक को जाने की जगह नहीं बच रहीं है। पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। इसके साथ ही कालाखेत में होटल नीलम से आगे दयामंदिर मार्ग पर भी यहीं स्थिति है। इसके साथ ही पूरे बाजार में कहीं भी पार्किंग के लिए जगह चिन्हित नहीं है। जिसके कारण यातायात बदहाल हो रहा है।

जुआरियों के अड्डे पर दबिश, आधा दर्जन को पकड़ा, 92 हजार रुपए जप्त

पुलिस कप्तान ने कोतवाली टीआई राकेश मोदी को किया लाइन हाजिर

मंदसौर, 2 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। शहर में बड़े पैमाने पर जुआ और सट्टा चल रहा है। लेकिन, लंबे समय से पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर पा रही थी। इसको लेकर लगातार समाचार भी सुर्खियां बन रहे थे। आलम यह है कि राजस्थान से मंदसौर आकर बेधड़क युवा जुए में दाव लगा रहे थे। इस पर कप्तान के निर्देश के बाद शहर कोतवाली पुलिस ने कारवाई की और नयापुरा क्षेत्र से आधा दर्जन जुआरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 92 हजार 880 रुपए बरामद किए। इसके तत्काल बाद पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया ने शहर कोतवाली टीआई राकेश मोदी को लाइन हाजिर कर दिया।

शहर कोतवाली पुलिस ने बताया कि नयापुरा क्षेत्र में राज बेकरी के पास पुलिस ने छापा मार करवाई कर मौके से भेरूलाल उर्फ जीतू माली 30 साल निवासी निंबाहेड़ा राजस्थान, परमेश्वर राठौर उम्र 40 साल निवासी लालघाटी रोड, बृजेश ग्वाला उम्र 32 साल निवासी जावद, मो हम्मद इकबाल मेवाती निवासी सोनगरी, सदाकत अली मेवाती उम्र 26 साल निवासी नयापुरा मंदसौर, राजेश जैन उम्र 46 साल निवासी जावद को गिरफ्तार कर 13 जुआ एक्ट में प्रकरण दर्ज किया है। पकड़े गए जुआरियों के कब्जे से पुलिस ने 92 हजार 880 रुपये जप्त किये।

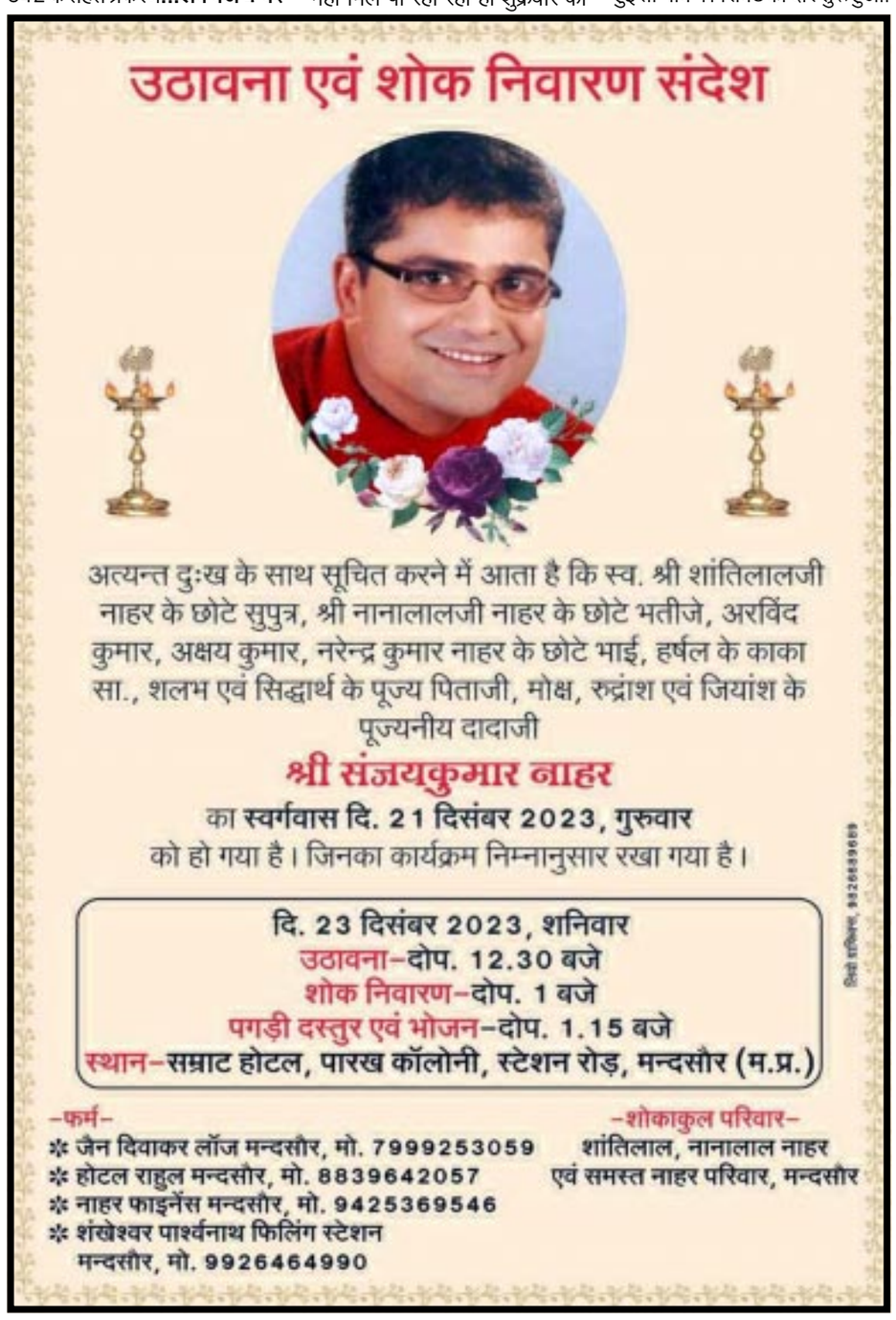

विचार-मंथन

कोरोना का नया सब– वेरिएंट आया सामने...

एक बार फिर कोरोना विषाणु के पांव पसारने की आशंका गहराने लगी है। पिछले कुछ दिनों में कोरोना के मामलों में एकदम से उछाल दर्ज हुआ। एक दिन में एक सौ चालीस से अधिक मामले पाए गए। फिर कोरोना के नए बहुरूप जेएन.1 से संक्रमित एक व्यक्ति की केरल में पहचान हो गई। उसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सतर्क हो गया है। मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिख कर इससे सावधान रहने को कहा है। तमिलनाडु और केरल सरकार ने लोगों को कोरोनोचित एहतियाती उपाय बरतने का निर्देश जारी कर दिया है। दरअसल, कोरोना की दो बड़ी लहरों ने देश में जितने बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान पहुंचाया, उसके अनुभवों से अब सरकार किसी भी तरह का जोखिम लेने को तैयार नहीं है। यह अच्छी बात है कि शुरुआती मामला सामने आने के तुरंत बाद सरकारें सतर्क हो गई हैं और लोगों को भी जागरूक रहने को प्रेरित कर रही हैं। कोरोना के शुरुआती मामले केरल से ही फैले थे, जो देश भर में तबाही का कारण बने। हालांकि अभी उसके नए बहुरूप के प्रभाव इतने खतरनाक नहीं हैं कि उसे लेकर बहुत घबराने की जरूरत है, मगर मामूली लापरवाही भी महामारी का रूप ले सकती है। बड़ी मुश्किल से कोरोना के फैलाव पर काबू पाया जा सका था। देश भर में टीकाकरण और सख्त नियमों के जरिए लोगों को सुरक्षित किया जा सका। मगर चिकित्सा विज्ञानियों का कहना था कि कोरोना विषाणु सदा के लिए समाप्त नहीं हो सकता। यह रूप बदल-बदल कर हमारे बीच में ही उपस्थित रहेगा और हमें अब इसके साथ ही जीने की आदत डालनी होगी। यानी महामारी की छाया बनी हुई है। दरअसल, कोई भी विषाणु पूरी तरह समाप्त नहीं होता, वातावरण, मौसम आदि के मुताबिक अपना रूप बदल लिया करता है। उससे पार पाने के लिए प्रतिरोधक क्षमता विकसित करनी पड़ती है। पहले भी प्रतिरोधक टीकों के जरिए ही अनेक महामारी फैलाने वाले विषाणुओं पर काबू पाने में कामयाबी पाई जा सकी है। कोरोना के टीकों का भी निस्संदेह प्रभाव देखा गया। मगर इन टीकों से शरीर में पैदा होने वाली प्रतिरोधक क्षमता स्थायी नहीं बताई जाती है। फिर, इनका बार-बार उपयोग भी सुरक्षित नहीं माना जाता। ऐसे में लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे खुद नाक-मुंह ढंकने, हाथ धोने जैसे एहतियाती उपाय अपना कर और अपनी दिनचर्या, खानपान की आदतों आदि में बदलाव करके सुरक्षित रहने का प्रयास करें। मगर भारत जैसे देश में, जहां बहुत सारे इलाकों में भीड़भाड़ अधिक रहती है, लोगों में साफ-सफाई को लेकर जागरूकता कम है, खांसी-जुकाम जैसी शिकायतों में प्रायः अनदेखी और देसी उपचार पर अधिक भरोसा देखा जाता है, वहां किसी भी तरह की लापरवाही कोरोना जैसे विषाणु को पांव पसारने का मौका देती है। इसलिए, केंद्र और राज्य सरकारों की चिंता वाजिब है। हालांकि अब भी बहुत सारी राज्य सरकारें इसे लेकर गंभीर नजर नहीं आतीं। हमारे यहां स्वास्थ्य सेवाओं का आलम यह है कि जांच आदि की माकूल व्यवस्था न होने से बहुत सारे रोगों की समय पर पहचान नहीं हो पाती। बहुत सारे लोगों ने मान लिया है कि कोरोना का संकट अब सदा के लिए टल गया है। इसलिए इससे संबंधी जांचें कराने की जरूरत नहीं समझी जाती। ऐसे में सरकारों को खुद भी सतर्क रहना और लोगों में इसके प्रति निरंतर जागरूकता पैदा करते रहना आवश्यक है।

सरकार बनाम विपक्षः गतिरोध दूर करने की आवश्यकता

पूनम आई. कौशिश

भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अनजाने से विधायकों को मुख्यमंत्री नियुक्त कर चौंकाने वाला काम किया है, वहीं देश की सुरक्षित लोकसभा में दो अतिक्रमणकारी दर्शक दीर्घा से लोकसभा चैम्बर में कूदे, सदस्यों की मेजों पर इधर-उधर कूदते रहे और कलर बम का प्रयोग किया तथा तब तक निरंकुशता के विरुद्ध नारे लगाते रहे जब तक कि सांसदों और सदन के मार्शलों द्वारा उनको पकड़ा न गया। इस घटना पर खूब शोर-शराबा हो रहा है। विपक्षी गठबंधन मांग कर रहा है कि सुरक्षा की इस चूक पर गृह मंत्री अमित शाह बयान दें और सत्ता पक्ष ऐसा करने से इंकार कर रहा है, हालांकि अध्यक्ष बिड़ला ने स्पष्ट किया है कि सरकार लोकसभा के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं कर सकती क्योंकि सदन के अंदर की सुरक्षा अध्यक्ष के नियंत्रण में है और इस तरह वे संकेत दे रहे हैं कि इसके लिए सरकार को जवाबदेह नहीं ठहराया जा सकता। किंतु इससे विपक्ष संतुष्ट नहीं हुआ और उन्हें एक झटका तब लगा जब लोकसभा और राज्य सभा के 78 सांसदों को कल विरोध प्रदर्शन करने, प्ले कार्ड दिखाने, सदन के बीचों-बीच आने और अध्यक्ष पीठ के निर्देशों का पालन न करने के लिए संसद के शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया गया, जिसका समापन शुक्रवार को होगा। इसके अलावा 14 सदस्य पिछले सप्ताह भी निलंबित किए गए और इस तरह इनकी संख्या 92 पहुंच गई है। मोदी ने विपक्ष को इस सुरक्षा चूक के मुद्दे पर किसी तरह के वाद-विवाद या प्रतिरोध से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस घटना की गंभीरता को नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए। अध्यक्ष पूरी गंभीरता के साथ सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं, जांच एजेंसियां गहन जांच कर रही हैं। किसी भी चर्चा से पूर्व जांच पूरी होने दीजिए। एक सामूहिक भावना के साथ इस समस्या का समाधान निकाला जाना चाहिए। भाजपा प्रदर्शनकारियों को राजनीतिक दलों के साथ जोड़कर एक कदम आगे बढ़ रही है, जिनमें कुछ विपक्ष के दल भी हैं। इनमें से एक आरोपी ने पहले कृषि कानूनों के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन में भी भाग लिया, किंतु विपक्ष ने यह सलाह मानने से इंकार कर दिया है और वे अपनी वाकशक्ति का पूरा प्रयोग कर रहे हैं और सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि वह भाजपा सांसद, जिसकी सिफारिश पर कलर बम वाले इन 2 युवकों को लोकसभा की दर्शक दीर्घा के लिए पास जारी किए गए, की भूमिका पर प्रश्न उठने से बचने के लिए वाद-विवाद से इंकार कर रही है। प्रश्न उठता है कि हमारे माननीय सांसदों की सुरक्षा में चूक पर संसद में वाद-विवाद से पहले क्या उन्हें गृह मंत्रालय द्वारा गठित जांच समिति के निष्कर्षों का अध्ययन करना चाहिए, इस संबंध में एक ठोस वाद-विवाद होना चाहिए, जिसमें सभी सदस्यों की सुरक्षा चिंताओं का निराकरण किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से संसद के भीतर और संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन वैध है, किंतु यह संसद के दोनों सदनों में अव्यवस्थापूर्ण और अनुचित व्यवहार को उचित नहीं ठहराता। 'इंडिया' गठबंधन विपक्ष का दमन, लोकतंत्र की मौत आदि के नारों के साथ अपनी वाकशक्ति का प्रदर्शन कर रहा है, किंतु वह यह भूल जाता है कि 15 मार्च, 1989 को कांग्रेसी प्रधानमंत्री राजीव गांधी के काल में संसद से 63 सांसदों को निलंबित किया गया था और इसका कारण इंदिरा गांधी हत्या के मामले में न्यायमूर्ति ठक्कर कमीशन की रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखना था। उस समय कांग्रेस के 400 से अधिक सांसद थे और उन्हें तब उस समय भाजपा की तरह प्रचंड बहुमत प्राप्त था। यह सब शोर-शराबा, गतिरोध, एक-दूसरे से आगे बढ़ने की चाहत आदि में सभी भूल जाते हैं कि संसद हमारे लोकतंत्र का पवित्र प्रतीक है। इसकी गरिमा को ठेस पहुंचाना एक गंभीर मुद्दा है और दोनों सदनों का सुचारू संचालन सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है। यही नहीं, दोनों पक्षों के सदन के नेताओं और सदन के प्रबंधकों को समझौता करना चाहिए, ताकि संसद सुचारू रूप से कार्य कर सके और यह केवल पारस्परिक विश्वास और भाईचारे के वातावरण में ही हो सकता है। परंतु दुर्भाग्यवश आज ऐसा वातावरण नहीं है। समय आ गया है कि हमारे सांसद इस बात को समझें कि उनका मुख्य कार्य कानून निर्माण है और वह भी इसलिए, कि जब तीन दंड प्रक्रिया सहित विधेयकों पर इस सत्र में चर्चा होनी है। संसदीय लोकतंत्र का आरंभ या अंत चुनावों से नहीं होता। यह एक निरंतर प्रक्रिया है, जो सदन में और विपक्ष के साथ सहयोग के साथ आगे बढ़ती है। मतदाता संसद से प्रेरणा लेते हैं जो सदन बातचीत, विमत, वाद-विवाद के स्वस्थ वातावरण में कार्य करता है और लोगों को एक सकारात्मक संदेश देता है। देखना यह है कि क्या यह गतिरोध जारी रहेगा या हमारे राजनेता इसी तरह व्यवहार करते रहेंगे। हाल के दिनों में यह देखने को मिला है कि विपक्ष सदन में गतिरोध और शोर-शराबा पैदा कर एक सुरक्षित रास्ता बनाकर दे रहा है और सत्ता पक्ष महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कर रहा है। संसद के कार्यकरण में प्रति मिनट का व्यय 2 लाख रुपए आता है, इसलिए हमारे संसदों को बताया जाना चाहिए कि वह आम जनता के पैसे को इस तरह बर्बाद नहीं कर सकते। वे इस बात को समझें कि संसदीय लोकतंत्र को किस तरह से सुदृढ़ किया जा सकता है। इसका एक उपाय यह है कि नीतिगत मामलों और विधायी कार्यों को सत्ता पक्ष और विपक्ष दलगत राजनीतिक निष्ठा से ऊपर रखें और वे देश के हितों और सदन की भावना से निर्देशित हों। दूसरा उपाय वेस्टमिंस्टर मॉडल से प्रेरणा लेकर कार्यपालिका को जवाबदेह बनाया जाए। हाऊस ऑफ कामंस में प्रति सप्ताह 40 मिनट का प्रधानमंत्री का कार्यकाल होता है, जहां सांसद प्रधानमंत्री से किसी भी मुद्दे पर प्रश्न पूछ सकते हैं। हमें इस बात को ध्यान में रखना होगा कि संसद हमारे राष्ट्र का आधार है। यह देश की जनता का प्रतिनिधित्व करती है, जो उससे अपेक्षा करती है कि वह हमारे राष्ट्रीय हितों के संप्रभु निगरानीकर्ता के रूप में कार्य करे। संवैधानिक दृष्टि से कार्यपालिका हर क्षण, हर पल के लिए संसद के प्रति जवाबदेह है और उसका अस्तित्व लोकसभा के विश्वास पर निर्भर करता है।

खुशी और गम है जीवन का आधार

मुनीष भाटिया

भावनाएं और अनुभूतियां जीवन को सार्थक बनाती हैं। इसके साथ यह भी सत्य है कि आर्थिक समृद्धि के बावजूद हम सब अपनी भावनाओं से जुड़े रहते हैं, उसका स्वरूप चाहे जो हो। हम सब अपने दर्द को तो बखूबी समझते हैं, लेकिन दूसरों के दर्द को सिर्फ देख सकते हैं। अगर कभी उनकी जज्बाती स्थिति को समझ पाते हैं तो उनके साथ बातचीत करने का ही प्रयास कर सकते हैं। हमें दूसरों की भावनाओं का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि दूसरों के दर्द को सिर्फ देखना काफी नहीं है, बल्कि हमें उनके साथ मिलकर उनका सहयोग और समर्थन करना चाहिए। जीवन से हमें हर पल नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और यही हमें मजबूत बनाता है। भावनाओं का आना-जाना, खुशियों और दुख का सामंजस्य, ये सभी जीवन का हिस्सा हैं। जीवन में समय के साथ-साथ विभिन्न परिवर्तन होते रहते हैं और इन परिवर्तनों का हमारी भावनाओं और दृष्टिकोण पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। जीवन का संतुलन सिर्फ आर्थिक प्रस्तुतीकरण से नहीं होता, बल्कि मानवीय संबंध और भावनाओं का सही संतुलन बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। भावनाएं हमारे जीवन को समृद्धि और सुख-शांति से भर देती हैं। जीवन में खुशी और गम, दोनों ही होते हैं और यही जीवन का सत्य है। हमें इन दोनों को स्वीकार करके उनका सामना करना चाहिए, ताकि हम अपने आत्मविकास की ओर बढ़ सकें और दूसरों के साथ सहजता से जीवन बिता सकें। गुजरे वर्षों में भावनाओं में प्रबलता थी, रुपए सीमित थे, लेकिन सुकून था। संयुक्त परिवारों में भावनाओं का सही तरीके से पोषण होता था। मगर आज एकल परिवारों में सीमित सदस्यों के पास ही एक-दूसरे के लिए समय नहीं है। माता-पिता और भाई-बहन के साथ बोलने-बात करने की अपेक्षा लैपटाप और मोबाइल के साथ ज्यादा समय बीत रहा है। सोशल मीडिया की विभिन्न वेबसाइटों पर बनाए गए मित्र संबंधों के तो जन्मदिन से लेकर उनकी हर छोटी-छोटी खुशियों में बड़ी ही तल्लीनता से शरीक रहते हैं। मगर अपने घर की चारदिवारी की बड़ी से बड़ी खुशी से भी कई बार अनजान रहते हैं। यह सत्य है कि समृद्धि से ऐश्वर्य प्राप्त होता है, लेकिन यह भी गलत नहीं कि आत्मसमर्पण से मानवीय संबंधों में ही सच्चा सुख निहित है। जीवन में समृद्धि सिर्फ वित्तीय सफलता में नहीं होती, बल्कि मानवीय संबंधों, भावनाओं और आत्मिक समृद्धि में भी बसी होती है। हमें दूसरों के साथ समदृष्टि बनाए रखना चाहिए और उनका समर्थन करना चाहिए, क्योंकि समर्थन और सहानुभूति हमें एक-दूसरे के साथ मिलकर आगे बढ़ने में मदद करते हैं। जीवन के सभी पहलुओं को स्वीकार करके, चुनौतियों का सामना करके, हम अपने आत्म विकास में मजबूत हो सकते हैं। मसलन, आज के सामाजिक परिवेश में मुख्यधारा की जीवनशैली और संबंधों से इतर समलैंगिता पर समर्थन और विरोध, दोनों तरह के विचार एक चुनौती बने हुए हैं। आज कुछ इस तरह के समुदाय समाज के अन्य वर्गों से मिल रहे कथित उपेक्षा के फलस्वरूप अपने हकों की आवाज बुलंद कर एकजुट हो रहा है। किसी समय ये भावनाएं बेशक जिंदा थीं, लेकिन खुले तौर पर इनका व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन नहीं होता था। आज खुलकर कुछ लोग सामने आ रहे हैं। हालांकि हमारे समाज की जो पारंपरिक सोच रही है, उसमें ये लोग कई जगहों पर उपेक्षा का पात्र भी बन रहे हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि समाज के एक बड़े वर्ग के प्रति नफरत का भाव रखना स्वस्थ समाज का संकेत नहीं है। आज समय की मांग है कि अगर कोई व्यक्ति अपनी तरह से और अपने चुनाव के तहत जीवन व्यतीत करना चाहता है तो उस पर खुले तौर पर स्वस्थ मानसिकता के साथ बहस होनी चाहिए। हमारे आसपास एलजीबीटी सहित वैसे तमाम लोग हैं, जो तर्क देते हैं कि जीवन उनका है और उन्हें इसे अपने तरीके से जीने का हक मिलना चाहिए। मगर इस मसले पर हमारे समाज में चारों ओर व्याप्त नैतिकता और अनैतिकता की दीवार ने हमारे सामाजिक ताने-बाने को बांध कर रखा हुआ है, उसे नष्ट नहीं करने की भी बात कही जाती है। धार्मिक परंपराओं और सामाजिक दबाव की वजह से लोग अवश्य अपनी भावनाओं को कुछ समय तक दबा सकते हैं, मगर वह स्थायी नहीं हो सकता। धार्मिक धाराओं और सांस्कृतिक मूल्यों के कारण, व्यक्ति अपने भीतर जीवन जीने की पद्धति और भावनाओं को छिपा सकता है या उन्हें स्वीकार करने में कठिनाई महसूस कर सकता है। एक कहावत है कि भाव बदल सकते हैं, लेकिन किसी का स्वभाव नहीं बदल सकता। प्रकृति ने इंसान को जैसा बनाया है।

उपराष्ट्रपति की मिमिक्री और संसद की तुलना कोरियाई सदन से कर विपक्ष ने भारतीयों का दिल दुखाया

भारत की संसद लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है और हमारे देश के सम्मान और स्वाभिमान की प्रतीक भी है। संसद भवन कोई इमारत मात्र नहीं बल्कि करोड़ों देशवासियों की उम्मीदों और आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला पवित्र स्थल भी है। संसद से हर भारतीय गहरा भावनात्मक लगाव रखता है लेकिन जिस तरह से संसद के कुछ सदस्य ही संसद की मर्यादा और सम्मान को ठेस पहुँचा रहे हैं वह सचमुच आहत करने वाला है। देखा जाये तो विपक्ष के बड़े नेता विदेशी धरती पर जाकर तो भारतीय लोकतंत्र का मजाक उड़ाते ही हैं अब उन्होंने देश में भी संसदीय लोकतंत्र का उपहास उड़ाना शुरू कर दिया है। हम आपको बता दें कि अमर्यादित आचरण के चलते सदन से निलंबित किये गये विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को संसद को ''संविधान की कब्रगाह'' बताते हुए इसकी तुलना उत्तर कोरियाई सदन से कर हर भारतीय का दिल दुखाया है। शिरोमणि अकाली दल की नेता और सांसद हरसिमरत कौर बादल को संसद संविधान की कब्रगाह नजर आई तो दूसरी ओर तमाम तरह के आर्थिक अपराधों के आरोपों से घिरे कांग्रेस नेता और सांसद कार्ति चिदंबरम ने दावा कर दिया है कि संसद जल्द ही उत्तर कोरियाई सदन की तरह हो जाएगी। कार्ति चिदंबरम ने कहा है कि हम उत्तर कोरियाई सदन की तरह बनने वाले हैं और केवल एक चीज की कमी है कि जब प्रधानमंत्री सदन के अंदर आएं तो सब साथ मिलकर तालियां बजाएं। कार्ति चिदंबरम ने कहा कि यह एक सांकेतिक सदन बनने वाला है। बात सिर्फ लोकतंत्र के अपमान की भी नहीं है। संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की जिस तरह मिमिक्री कर उनका अपमान करने की होड़ चल पड़ी है और हमारे संवैधानिक संस्थानों पर राजनीतिक हमले किये जाने का जो सिलसिला चला है वह एक तरह से भारत की छवि पर हमला है। कभी प्रधानमंत्री के लिए तानाशाह, हिटलर, नीच या कोई अन्य अपमानजनक शब्द उपयोग किया जाता है तो कभी देश की राष्ट्रपति का अपमान कर दिया जाता है। अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का जिस तरह अपमान किया गया उसने सार्वजनिक जीवन में मर्यादा की सभी सीमाएं लांघ दी हैं। यहां यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हों, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ हों या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों...यह सभी साधारण और गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। इन सभी को राजनीति विरासत में नहीं मिली बल्कि यह जीवन में अभाव और संघर्षों पर विजय हासिल करते हुए यहां तक पहुँचे हैं लेकिन लगता है कि दिल्ली पर दशकों तक राज करने वाले राज परिवार के लोगों को यह सब भा नहीं रहा इसलिए सुनियोजित तरीके से शीर्ष पदों पर बैठे लोगों पर हमले किये और करवाये जा रहे हैं। विपक्ष ने ऐसा ही रवैया न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थानों के प्रति भी अपनाया हुआ है। कोई फैसला अपने मन मुताबिक नहीं आये तो न्यायपालिका पर सवाल उठा देना, चुनाव हार गये तो ईवीएम पर सवाल उठा देना, नोटिस मिल जाये तो आयकर विभाग या ईडी पर सवाल उठा देना और पूछताछ के लिए बुला लिया जाये तो सीबीआई पर राजनीतिक हमला कर देना अब विपक्षी नेताओं की आदत में शुमार हो चुका है। लेकिन यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि ये जो पब्लिक है ये सब जानती है और जनता की अदालत हर चुनाव में त्वरित न्याय करती है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5093

8		3		1	6			
	9	1					6	
2	6	4						
			4	6			7	2
	7			3			5	
4	3			5	2			
						1	8	5
	8					7	4	
			1	7		2		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5092

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5093

संकेत: बाएं से दाएं

1. 16 जून 2007 को यह महिला अंतरिक्ष में लगातार सबसे लंबे समय तक रहने वाली महिला बनी (7)
5. प्रणाम, अभिवादन, नमस्कार (3)
7. सेवा करना वाला, नौकर (3)
8. व्रत, उपवास (उर्दू)(2)
9. मादा या आवेश में आना (4)
13. प्रकाश की किरण, अर्धप्रकाश (1)
14. टूटने-फूटने आदि से उत्पन्न शब्द (2)
15. गति (3)
17. अधिकार, हक, पर्याय है कि, समाप्ति सूचक शब्द (2)
18. प्रहार करने की क्रिया (2)
19. गवाह का कथन, साक्ष्य (3)
21. आशना, प्रेमी, साजन, इस फिल्म में देवानंद के साथ मीना कुमारी व सुरैया थी (1951) (3)

ऊपर से नीचे

1. पुराणानुसार महाराजा जनक की पत्नी का नाम, सुलोचना (4)
2. कड़वी छाल वाले इस वृक्ष की पत्तियां औषधि बनाने के काम में आती है (2)
3. इन्हें सम्राट अकबर के नवरत्नों में गिना जाता है, इनका मूल नाम रामतनुपाल था (4)
4. काबिलियत, योग्यता, गुण, पात्रता (4)
6. संवारना, आकर्षक और सुंदर बनाना (3)
8. रुपयों का लेन-देन का हिसाब संबंधी बही (5)
10. बंधक बनाया हुआ, जिसे अपराध के सिलसिले में पकड़ा गया हो (4)
12. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट (2)
15. प्रेषित, भेजा गया (3)
16. वे दिन जिसमें विवाह आदि संपन्न कराए जाते हैं, तल्लीनता, ध्यान लगाने का भाव (3)
20. भार्या, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)

वर्ग पहेली 5092 का हल

भा	र	त		गो	ध	ड़	ती
ग	ज	ट		ख	ता	र	
ख		रस	ग	न		ख	मा
ल	य		जं		रा	जा	ख
ना	ज	नी	न		ता		
	मा		क	मी	न	गा	ह
जा	न	व	र		ही	र	क
ट			ना	य	न		ता

चेहरे को नहीं चरित्र को चमकाने का प्रयास करे-उत्तम स्वामीजी

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। काबरा व गर्ग (केडिया) परिवार के द्वारा दिनांक 17 से 23 दिसम्बर तक सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा (ज्ञान गंगा महोत्सव) का आयोजन रुद्धाक्ष माहेश्वरी धर्मशाला में किया जा रहा है। रामगोपालजी प्रहलाद महेश काबरा परिवार, सत्यनारायणली हरिश, महेश, रम्मु गर्म (केडिया) परिवार, कुन्दनमलजी, प्रहलाद बहमप्रकाश, पियुष गर्ग (केडिया) परिवार अपने पितृजनो की पूज्य स्मृति में प.पू. महर्षि महामण्डलेश्वर श्री उत्तम स्वामीजी के मुखारबिन्द्र से यह भागवत कथा का आयोजन करा रहा है। भागवत कथा के छठे दिवस शुक्रवार को श्री उत्तमस्वामीजी ने श्रीकृष्ण की बाललीलाओ के बाद की कथा श्रवण करायी। उन्होने भगवान श्री कृष्ण के द्वारा कंस का वध, और उसकेबाद मथुरा मे हुए घटनाक्रमों का विस्तार से वर्णन श्रवण कराया।

श्री महामडलेश्वर श्री उत्तम स्वामी जी ने कहा कि चेहरा उम्र के साथ बदल जाता है इसलिए चहरे को नही चरित्र को चमकाने का प्रयास करें। अपना समय ब्यूटी पार्लर व सैलुन पर लगाने की बजाय उतना ही समय चरित्र के निर्माण के चिन्तन पर करे। संत श्री ने श्रीकृष्ण रूकमणी विवाह का प्रसगं श्रवण कराया। श्रीकृष्ण-रूकमणी विवाह का प्रसंग कराते हुये कहा कि विदर्भ राज्य की राजकुमारी रुकमणी श्रीकृष्ण की वीरता व प्राक्रम के कारण मन ही मन उनसे प्रेम करने लगी थी लेकिन उसका भाई रुकमी श्रीकृष्ण के प्रति बैर भाव रखता था वह अपनी बहन रुकमणी का विवाह शिशुपाल से करना चाहता था यह बात जब रुकमणी को ज्ञात हुई तो उसने श्रीकृष्णजी को पत्र भेजा और उनसे विवाह करने की इच्छा जतायी।

विशिष्ठ अतिथियों ने पौथी पूजन किया – भागवत कथा के 6 ठे दिवस शुक्रवार को काबरा व गर्ग परिवार के आमंत्रण पर कथा श्रवण करने पहुंचे अति विशिष्ठ व्यक्तियों ने भागवत पौथी का पुजन किया। विधायक श्रीविपीन जैन, सेवानिवृत्त न्यायधीश श्रीगिरिराज सक्सेना, खाटूश्याम मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष शिवकरण प्रधान, समाजसेवी मोहन मेघनानी अन्नक्षेत्र न्यास कमेटी अध्यक्ष शान्तिलाल बडजात्या, चिकत्सक डॉ. गोविन्द छापरवाल, डॉ अजय जैन, डॉ चेलावत समाजसेवी जगदीय रमेशचंद्र सोडानी, कांग्रेस नेता अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, महेन्द्रसिंह गुर्जर ने भागवत पौथी का पूजन किया।

इन्होंने भी किया पौथी पूजन – भागवत क्या में प्रेम मुन्दडा अजमेर, राजेन्द्र नवाल, दिनेश अग्रवाल रतलाम, अविनास अग्रवाल मुम्बई, अशोक अग्रवाल, निखिल गुप्ता, महेन्द्र मंगल देवली, पार्षद प्रमिला संजय गोयल, दिव्या अनुप माहेश्वरी गोवर्धन कुमावत ने भी पौथी का पूजन किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता राघवेन्द्र सिंह तोमर, रवि रांका, कमलेश सोनी लाला, राजनारायण लाड, मनजीतसिंह मनी, लच्छु मेघनानी, समाजसे वी जमीचंद्र से ठिया, कारूलाल सोनी, अजय सोनी, संजय वर्मा, प्रदीप सोनी, कैलाश सोनी. पूर्व जिला पचायत सदस्य अंशुल बैरागी, कुमावत समाज के राधेश्याम बरानिया, गोवर्धन कुमावत, लोकेन्द्र कुमावत, वरदीचंद छापरवार, ओम कुमावत आदि ने भी स्वागत किया। संचालन संजय लोडा ने किया।

केन्द्र सरकार के अलोकतांत्रिक व तानाशाही पूर्ण आचरण के विरोध में...

शहर ब्लॉक कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। संपूर्ण भारत में आज भारत के गैर भाजपाई राजनीतिक दलों के गठबंधन 'इंडिया' के द्वारा भाजपा सरकार के आलोकतांत्रिक व तानाशाही पूर्ण आचरण के विरोध में प्रदर्शन किया गया है। इसी तारतम्य में मंदसौर में भी कांग्रेसजनों और नागरिकों ने अपने अपने मुँह पर विरोध स्वरूप काले मास्क लगाकर विरोध प्रदर्शन किया है।

संसद के वर्तमान सत्र में 143 सांसदों को निलंबित करने का जो निर्णय किया गया है वह लोकतंत्र पर आघात है। विपक्षी सांसदों को इस बहाने से इस सत्र की महत्वपूर्ण संसदीय कार्रवाई में भाग लेने से रोक दिया गया है। कई महत्वपूर्ण विधेयक बिना विपक्ष की बहस के पारित कर दिए गए हैं। देश की संसद की सुरक्षा के प्रति किए गए प्रमाद के बारे में विपक्षी सांसदों द्वारा सदन में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के वक्तव्य की मांग के कारण उनका निलंबन किया गया है। सदन के बाहर प्रधानमंत्री द्वारा इस मुद्दे पर वक्तव्य देना और सदन में चर्चा से पलायन करना अलोकतांत्रिक है। विपक्ष के द्वारा यह मुद्दा उठाए जाने पर उन्हें निलंबित कर सदन की कार्रवाई से वंचित कर देना तानाशाही पूर्ण कदम है। दूरसंचार, निजता और साइबर अपराध से संबंधित विषयों और विधेयकों के अतिरिक्त आपराधिक विधि और अनेक महत्वपूर्ण मामलों के कानून बिना विपक्ष की चर्चा के पारित कर देना मनमानी की पराकाष्ठा है। वर्तमान भाजपा सरकार धीरे-धीरे तानाशाही की ओर अग्रसर हो रही है। लोकतंत्र पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। इन महत्वपूर्ण मुद्दों को अनदेखा कर मिमिक्री जैसे निरर्थक मुद्दों को महत्व दिया जा रहा है। आपसे निवेदन है कि संविधान और संवैधानिक व्यवस्था के संरक्षक होने के नाते कृपया हस्तक्षेप कर केंद्र की भाजपा सरकार को निर्देशित करें की दमनकारी कार्य पद्धति त्याग कर सांसदों का निलंबन समाप्त करें व उनकी सहभागिता व विचार विमर्श उपरांत ही संसद में निर्णय लिए जावे। ज्ञापन का वाचन शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने किया।

इस अवसर पर पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, जिला संगठन मंत्री राजेश सिंह रघुवंशी, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी महेंद्र सिंह गुर्जर, परशुराम सिसोदिया जिला कांग्रेस पदाधिकारी में सर्वश्री गोविंद सिंह पवार, कांतिलाल राठौर, डॉ प्रीतिपाल सिंह राणा, मोहम्मद हुसैन रिसालदार, तरुण खींची, लियाकत शेख, मनजीत सिंह टुटेजा, लक्ष्मण मेघनानी, संजय सोनी, मुरली चीचानी, नीलम विरवाल, दिनेश नाई, हेमंत शर्मा, गोविंद सुरा, राजेंद्र सेठिया, परमेश्वर पाटीदार, साबिर इलेक्ट्रीशियन, फारूक गल्ला, वहीद जेदि, जितेंद्र चोपरा, सुनील शर्मा, ओमप्रकाश मित्तल, मल्हारगढ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा, प्रदेश युवा कांग्रेस महामंत्री सोमिल नाहटा, शहर ब्लॉक कार्यवाहक अध्यक्ष अंबालाल हिंगोरिया, सलीम खान महिला नेत्रियों में सर्वश्री बबीता सिंह तोमर, इस्टा भाचावत, अनीता कोरी, लक्ष्मी रैकवार, सेवादल जिला अध्यक्ष दिलीप देवडा, नगर पालिका प्रतिपक्ष नेता रफत पयामी, मंडलम अध्यक्ष सर्वश्री दशरथ राठौर, नितेश सती दासानी, अजय सोनी, रमेश ब्रिजवानी, अजय मारू, विश्वनाथ सोनी, अमित छाबरा, राजेश सोलंकी, घनश्याम चौहान, कन्हैयालाल भगानिया, सादिक गोरी, राहुल पडया, पंकज सती दासानी, श्रीद पांडे, प्रणय धाकड, विपिन चपडोत, मनोहर नाहटा, नरेंद्र डूंगरवाल, भाविक संचेती, सम्यक जैन, रवि विनायक, शेरू शाह, महेश रतनावत, महेश गुप्ता, दिनेश यादव, राजेश बधवार, जितेंद्र डोडिया, मोहम्मद आवेश खान, अकरम भाई, राकेश कुमार जैन, भंवरलाल कुमावत, मोहम्मद अख्तर पटेल, आदि इस अवसर पर उपस्थित थे श्र कार्यक्रम का संचालन शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर ने किया, आभार मल्हारगढ ब्लॉक अध्यक्ष अनिल शर्मा ने माना। यह जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड ने दी

राष्ट्र व धर्म के खातिर सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए सदैव तत्पर रहों-शंकराचार्य ज्ञानानन्दजी

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। काबरा, गर्ग (केडिया) परिवार के द्वारा माहेश्वरी धर्मशाला में सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के पंचम दिवस की शाम को भानपुरा पीठ के पीठाधीश्वर शंकराचार्य श्री ज्ञानानंदजी तीर्थ का कथा मे आगमन हुआ (काबरा व गर्ग (केडिया) परिवार ने इस अवसर पर शंकराचार्यजी की अगवानी की तथा उनका स्वागत अभिनंदन किया। शंकराचार्यजी ने सर्वप्रथम भागवत पौथी का पुजन किया और कथा मे उपस्थित सभी धर्मालुजनो को आशीर्वाद प्रदान किया। शंकराचार्य श्री ज्ञानानंदजी तीर्थ के साथ इस अवसर पर भानपुरा पीढ के युवाचार्य श्री वरुणेन्द्रजी महाराज मेनपुरिया आश्रम के महंत श्री महेश चेतन्यजी महाराज व पारितोषजी गुरूजी विराजीत थे।

शंकराचार्य श्री ज्ञानानंदजी महाराज ने कहा कि काबरा गर्ग (केडिया) परिवार ने कथा आयोजन किया है उससे मंदसौर नगर ही नही अपितु पुरे अचल में धर्म की ध्वजा लहरायेगी। इस मौके पर आपने महर्षि उत्तमस्वामीजी के ज्ञान व दर्शन की प्रशंसा की। आपने कहा कि मनुष्य की पांचों इन्द्रियो का अपना अपना महत्व है हमे अपनी पांचो इन्द्रियों को प्रभुकृपा में समर्पित रखना चाहिये जैसे चीटी धीरे धीरे आगे बढती है हमे भी धर्म व आध्यात्म में भी धीरे-धीरे आगे बढना चाहिये। सेवा-स्वाध्याय, संयम, साधना, सत्सगं धर्म क्षेत्र में आगे बढने के माध्यम है हमे चीटी की भाँति एक एक कदम इन सभी क्षेत्रों मे बढाना चाहिये। धर्म में ध्यान का बहुत का बहुत महत्व है जब भी ध्यान करे पद प्रतिष्ठा, घर परिवार, पत्नि बच्चो का ख्याल छोड दो और ईश्वर मे पुरी तरह समर्पित होकर ध्यान करो यदि ध्यान करते समय भी तुम्हे पद प्रतिष्ठा का ही ध्यान रहेगा तो ईश्वर के प्रति समर्पण में कमी रह जायेगी। ईश्वर के प्रति ध्यान लगाना है तो पद प्रतिष्ठा का ख्याल छोड समर्पण का भाव लाओ, ध्यान के लिये एकान्त जरूरी है। जब भी ध्यान करो एकान्त में करो। भजन किर्तन नृत्य संगीत का कार्यक्रम करो तो तीन चार जने मिलकर करो। यात्रा में जाओ तो 4 जने जरूर जाओ। खेती व्यापार करो तो पांच जने मिलकर करो।

विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट एवं मॉडल बनाएं

नगरी, 22 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। नगर के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में राष्ट्रीय गणित दिवस पर गणित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र छात्राओं ने गणित के प्रोजेक्ट एवं माडल बनायें गणित जागरूक को लेकर इस दोरान अन्य गतिविधियां भी स्कूल परिसर में आयोजित की गई। इस दोरान विद्यालय के संयोजक घनश्याम बग्गड, जिला समिति सदस्य श्री रामप्रताप जी वाक्तरिया एवं संस्था प्राचार्य श्रीराम बंबोरिया सहित बडी संख्या में छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

गीता जयंती के अवसर पर बजरंग दल का शौर्य संचलन घोष के साथ संपन्न

22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या से आए पूजित अक्षत लेकर निमंत्रण घर-घर देगा विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल

मनासा, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। आज मनासा में भाटखेडी नाका केशव संघ स्थान पर प्रात: 11बजे बजरंग दल के युवा गणवेश के साथ एकत्रित हुए, कार्यक्रम में विभाग मंत्री श्री अनुपाल सिंह झाला, बजरंग दल जिला संयोजक दुर्गेश धनगर, विहिप जिला सहमंत्री समरथ बागवान, विभाग धर्माचार्य प्रमुख गोपाल सोनी, प्रखंड अध्यक्ष अर्जुन यजुर्वेदी मंचासिन रहे। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा रामदरबार व भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर आयोजन की शुरुआत की, वहा पर सभा हुई, शोर्य संचलन की भूमिका बजरंग दल जिला संयोजक दुर्गेश धनगर ने रखते हुए बताया कि बजरंग दल सदेव हिन्दुत्व के लिए संघर्षरत है, विश्व हिंदू परिषद की स्थापना के बाद बजरंग दल की स्थापना 1984 में की उसका उद्देश्य सेवा, सुरक्षा, संस्कार के साथ कार्य करना, देश और धर्म पर आने वाले संकटों से सामना करने में सर्वप्रथम उपस्थित रहता है, फिर वह रामसेतु को बचाना हो, गौरक्षा करना हो, हिंदू बहन बेटियों को लव जिहाद के षड्यंत्र से बचाना हो या हिंदू नवयुवकों को संस्कारी बनाना हो।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विहिप विभाग मंत्री श्री अनुपाल सिंह झाला ने शोर्य संचलन के निमित उद्बोधन मां बताया कि बजरंग दल की राममंदिर के लिए आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका रही, श्री राम शीला पूजन लेकर गांव गांव गए थे, बाबरी ढांचे को गिराकर प्रभु श्री राम को त्रिपाल में बिठाकर प्रभु पर विश्वास जताते हुए उस समय से लेकर अभी तक आंदोलात्मक कार्य करते हुए भूमिका में अग्रणी रहा, प्रत्येक वर्ष शोर्य यात्रा निकाल रहा था, अभी इस वर्ष पूरे देश में शोर्य जागरण रथ यात्रा का आयोजन भी किया गया था, बजरंग दल का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज में शोर्य का जागरण करना है एवम् हिंदू समाज की सुप्त शक्ति को जागृत कर हिंदू समाज को संगठित करते हुए शक्तिशाली बनाना है, अभी 22जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होना है जो की मेरा गांव मेरी अयोध्या मानकर सभी अपने गांव अपने घर पर दिवाली मनाएं, हनुमान चालीसा का पाठ करे, सुंदरकांड करे, रंगोली बनाएं और महोत्सव के रूप में सभी मनाएं, 1जनवरी से 15जनवरी तक अयोध्या से आए पूजित अक्षत भी निमंत्रण के तौर पर घर घर तक देंगे, उसी के निमित आज बजरंग दल ने शोर्य संचलन निकाला।

केशव संघ स्थान से संचलन शुरु हुआ जो की शिवाजी चौराहा, कुशवाह मोहला, रामपुरा नाका, सदर बाजार, जूना साथ कार्नर, कपडा मार्केट, पुरबिया मोहल्ला होते हुए पुन: संघ स्थान पहुंचा, तत्पश्चात बजरंग दल की प्रार्थना होकर समापन हुआ,,, संचलन का नगर में स्वागत हुआ। संचालन राहुल कुशवाह ने किया, परिचय प्रखंड मंत्री मंगल सिंह देवडा ने करवाया, मुख्य शिक्षक सर्वेश झवर रहे। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के तेजकरण मोदी, हरिनारायण नंदवाना, जगपाल फरक्या, जित्तू पाराशर, लक्की शर्मा, दिनेश सेन, दीपक पटेल, मोहित बिरला, चिंटू आदिवाल, अविनाश आर्य, लोकेश जगोलिया, राहुल प्रजापत, कपिल आचार्य, अजय जगोलिया, श्याम छाबड़ा, चयन दरक व प्रखंड से आए सभी खंडों के कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

महाविद्यालय के स्टाफ द्वारा किया स्कूलों का भ्रमण

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.पी.एल.पाटीदार ने बताया कि कालेज चलो अभियान के अंतर्गत आगामी सत्र 2024-25 में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु महाविद्यालय के स्टाफ द्वारा महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मंदसौर एवं सरस्वती विद्या मंदिर हा.सै.स्कूल मंदसौर का भ्रमण किया गया। दोनों ही विद्यालयों में उपस्थित छात्राओं की महाविद्यालय के प्राध्यापक डा.सुधीर रायजदा द्वारा कॅरियर काउन्सलिंग की गई। साथ ही छात्राओं को पीपीटी के माध्यम से ई-प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रम तथा सुविधाओं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, छात्राओं हेतु विभिन्न छात्रवृत्ति एवं अन्य शासकीय हितग्राही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान कर छात्राओं को स्नातक स्तर पर शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित किया गया। महाविद्यालय की ओर से भ्रमण दल में डा.सुधीर रायजादा प्राध्यापक वाणिज्य, श्री कांतिलाल कुमावत सहायक प्राध्यापक भौतिकी, डा.अखलाक मन्सूरी सहायक प्राध्यापक गणित तथा श्री अमित पटेल सहायक प्राध्यापक कम्प्यूटर साईस उपस्थित थे।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा दिनांक 22 दिसम्बर, 2023 को श्री श्रीनिवास रामानुजन के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गणित विभाग के विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रेजेटेंशन, फार्मूला चार्ट, भारतीय गणितज्ञों के द्वारा की गई सूत्रों की गणना संबंधी आलेख एवं विकसित भारत 2047 की जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा एवं गणित विभाग के समस्त प्राध्यापक एवं गणित विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टोरेट में दिलाई सुशासन दिवस की शपथ

नीमच, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वी.श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थपित सुशासन के उच्च तम मापदण्डों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए, उनके जन्मब दिवस 25 दिसम्बसर के तीन दिवस पूर्व 22 दिसम्बंर को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। 24 दिसम्ब र 2023 को रविवार एवं 23 दिसम्बचर को शनिवार का शासकीय अवकाश होने के कारण आज 22 दिसम्ब र 2023 को प्रात: 11 बजे सुशासन की शपथ सीईओ जिला पंचायत श्री गुरूप्रसाद की उपस्थित में दिलाई गई। इस अवसर पर सभी शासकीय कार्यालयों में सुशासन दिवस पर शासकीय अधिकारी-कर्मचारी सुशासन की शपथ ली।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टकर सुश्री किरण आंजना, श्री संजीव साहू, सहित कलेक्टोकरेट, राजस्वि, तहसील, जनसम्प र्क, उद्योग, श्रम, उद्यानिकी, अंत्यारवसायी, रोजगार, आबकारी, आदिम जाति कल्यादण, भू-अभिलेख, कोषालय, शिक्षा, कृषि, नगर ग्राम निवेश, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सुशासन दिवस की सामुहिक शपथ ग्रहण की।

किसान मोर्चा ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

पिपलियामंडी, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। संसद परिसर में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड का मखौल उडाने व कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा मिमिक्री का वीडियो बनाने का भाजपा किसान मोर्चा ने विरोध जताया। पिपलिया गांधी चौराहे पर किसान मोर्चा मण्डल अध्यक्ष देवीलाल गुर्जर के नेतृत्व में राहुल गांधी का पुतला फूंककर नारेबाजी की। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सामंत सिंह शक्तावत नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया सांसद प्रतिनिधि दिलीप गोयल, विधायक प्रतिनिधि लोकेश कराडा, भाजपा किसान मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष भारत सिंह सोनगरा, भाजपा नेता मनोहर काबरा मुकेश फरक्या भाजपा के मण्डल उपाध्यक्ष राजू जाट भाजपा उपाध्यक्ष अरु जैन भाजपा पिछडा मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष बलराम सोलंकी भाजपा नेता रामनिवास पाटीदार युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष अशोक कुमार गुर्जर अजजा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष प्रवीण बुनकर सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

श्रद्धानंदजी सरस्वती का बलिदान दिवस आज मनाया जाएगा

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। आर्य समाज मंदसौर के अध्यक्ष श्री मधुसूदन जी आर्य द्वारा बताया गया कि दिनांक 23 दिसंबर 2023 शनिवार को प्रात: 9 बजे हवन पश्चात स्वामी श्रद्धानंद जी सरस्वती का बलिदान दिवस मनाया जावेगा। जिसमें स्वामी जी को श्रद्धांजलि दी जाकर उनके द्वारा आर्य समाज में किए गए योगदान का स्मरण किया जावेगा। अत: समस्त आर्य समाज के सदस्य उउपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनावे।

आवासीय विद्यालय में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय संजीत मार्ग मन्दसौर में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन जयंती के शुभ अवसर पर आज दिनांक 22 दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया। इसके अंतर्गत गणित विषय के आचार्य श्री मनीष बैरागी एवं श्रीमती सविता बग्गड के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 6 से 8 की प्रतियोगिता में उल्टी गिनती, पहाडे गणित चित्रकला, गणित पहेली व कक्षा 9 से 12 के भैया बहिनों ने गणित का प्रश्न पत्र हल करना, गणित प्रश्न मंच, गणितीय आकृतियों की रंगोली एवं गणित आकृति का मॉडल बनाकर बड़े उत्साह से भाग लिया।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि छात्रावास अधीक्षक श्रीमान कमलकिशोर गोठी एवं श्रीमान महेश वसा प्राचार्य आवासीय विद्यालय ने की। प्रश्न मंच का संचालन श्री मनीष बैरागी ने किया सभी आचार्य परिवार ने प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। विद्यालय का सम्पूर्ण वातावरण गणितमय हो गया। यह जानकारी श्री पंकज पोरवाल द्वारा दी गई।

उद्यमिता जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

नीमच, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जावद में शुक्रवार 22 दिसंबर 2023 को उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें प्रमुख रूप से सेडमेप संस्थान के मंदसौर और नीमच जिला संयोजक श्री नीरज सिंह द्वारा उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को उद्यमिता के बारे में जानकारी दी गई, कि कैसे एक सफल उद्यमी बने, उद्यम स्थापित करने एवं शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहयोग प्राप्त करने संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। इस शिविर में नीमच के श्री लोकेश वर्मा एवं जावद के श्री ऋषभ कंडिया सफल उद्यमियों द्वारा अपने संस्थान की सफलता की कहानी बताकर छात्रों को स्वरोजगार के प्रति जागरूक किया। इस आयोजन में संस्था के प्राचार्य श्री एस.के.सोनी द्वारा आगंतुक सभी वक्ताओं का आभार माना।

पूर्व विधायक सिसोदिया के प्रयासों से साकार हुआ बच्चों का सपना...

सीएम राईस स्कूल साबाखेड़ा को मिली 8 बसें

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को नीजि स्कूलों में पढना और सर्वसुविधायुक्त बसों से आना-जाना केवल सपना ही था लेकिन अब पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया के प्रयासों से मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के बच्चों का यह सपना साकार हो चूका है। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम साबाखेडा में नीजि स्कूलों की तर्ज पर 34 करोड की लागत से अत्याधुनिक सीएम राईज स्कूल का भवन बन रहा है। यहां अध्ययन करने वाले बच्चों के लिए मंदसौर जिले में सबसे पहले शुक्रवार को एक साथ मप्र की सरकार ने 8 बजे उपलब्ध करा दी। इन बसों में जीपीएस सिस्टम लगा हुआ और बच्चों के सीटिंग भी आरामदायक है।

इन बसों के माध्यम से सीएम राईज स्कूल में पढने वाले बच्चों को नि:शुल्क स्कूल तक लाया और ले जाया जाऐगा। शुक्रवार को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने गरिमामय समारोह मे हरी झंडी दिखाकर बसों की सुविधा का श्रीगणेश किया इसके साथ ही स्कूल में अध्ययन करने के लिए आने वाले करीब 300 बच्चों को इस सुविधा का लाभ तत्काल मिलने भी लगा है। इस अवसर पर भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने कहा कि केन्द्र और राज्य की सरकार लगातार बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए प्रयास कर रहीं है, जिसमें सीएम राईज स्कूल सबसे महत्वपूर्ण है। अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त इन स्कूलों में बेहतर से बेहतर शिक्षा देने के प्रयास किए जाऐंगे, शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ और गुणवत्ता पूर्ण बनाने में सीएम राईज स्कूल की परिकल्पना मिल का पत्थर साबित होगी ऐसे में अब यहा पढने वाले बच्चों का भी दायित्व बनता है कि वे स्कूल में मौजूद अत्याधुनिक संसाधनों का भरपूर उपयोग करें, उच्च प्रशिक्षित शिक्षकों के ज्ञान से लाभांवित होकर अपने माता-पिता, अपने गांव, अपने शहर और प्रदेश व देश का नाम रोशन करें। इस मौके पर भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष ईश्वरसिंह पंवार, जनपद पंचायत सदस्य, बंशीलाल धनगर, सरपंच परमानंद, भाजपा नेता शिवलाल गुर्जर, विनोद धनगर, जिला शिक्षा अधिकारी मेडम टैरेसा, प्रचार्य दिनेश डाभी समेत बडी संख्या में ग्रामवासी एवं छात्र-छात्राऐ उपस्थित थे। मंदसौर जिले में सबसे पहले मंदसौर विधानसभा के साबाखेडा सीएम राईज स्कूल को एक साथ 8 बसों की इस महती सौगात के मिलने पर पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने मुख्यमंत्री श्री डॉ मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान, पूर्व शिक्षा मंत्री श्री इंदरसिंह परमार को ट्वीट कर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया। उल्लेखनिय है कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार ने सीएम राईज स्कूल की परिकल्पना को लागु किया, सीएम राईज स्कूल में अध्यापन कराने के लिए शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया गया है। पूरी तरह से उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सीएम राईज स्कूल में बच्चों को मिलेगी। मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के 1600 बच्चें इस अत्याधुनिक शिक्षा प्रणाली के भागीदार बनेंगे। वर्तमान में 537 बच्चों का प्रवेश इस विघालय में हो चूका है जिसमें 300 बच्चें बस सुविधा से तत्काल लाभांवित होंगे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	113	1981	2221
उडद	22	4545	10800
सोयाबीन	4068	4050	4750
गैहु	1709	2450	3081
चना	74	4777	5400
मसुर	173	5001	5952
धनिया	400	4800	7240
लहसुन	12000	8501	22500
मैथी	490	5000	7600
अलसी	00	00	00
सरसो	1056	4411	5050
तारामीरा	5	4679	4720
इसबगोल	30	12700	17404
प्याज	12000	400	1500
कलोंजी	36	10500	16800
डॉलर	17	7001	13001
तिल्ली	20	13600	15780
मटरसुखी	2	1500	2380
असालीया	5	7600	9400

विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव-गांव में कर रही है भ्रमण

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव-गांव में भ्रमण कर रही है। यात्रा में पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरित किया जा रहा है। यात्रा मंदसौर जिले के सभी जनपद में भ्रमण कर रही है। यात्रा के दौरान विभागों के द्वारा विभाग की जानकारी एवं स्टाल लगाए गए हैं। जिसमें ग्रामीण जनों को योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। यात्रा ने जनपद पंचायत मंदसौर के ग्राम खजुरिया सारंग, पिपलिया कराडिया, खोराना एवं पिपलिया मारू, जनपद पंचायत मल्हारगढ़ में यात्रा गरनाई एवं सुदवास, जनपद पंचायत गरोठ में यात्रा पनवाड़ी एवं पिपलिया राजा, जनपद पंचायत भानपुरा में यात्रा औसारा एवं औसरना, जनपद पंचायत सीतामऊमें मामटखेड़ा, गोपालपुरा, कोटपिपलिया एवं पायाखेड़ी में भ्रमण किया। 23 दिसंबर 2023 को यात्रा ने जनपद पंचायत मंदसौर के ग्राम माल्याखेरखेड़ा, नांदवेल, जग्गाखेड़ी नाहरगढ़ एवं बेहपुर, जनपद पंचायत मल्हारगढ़ में यात्रा फोसरी एवं संजीत, जनपद पंचायत गरोठ में यात्रा बालोदा एवं मोलाखेड़ी खूर्द, जनपद पंचायत भानपुरा में यात्रा बोरदा एवं लेदीकला, जनपद पंचायत सीतामऊमें गाडरीया, महूआ, महूवी एवं रहीमगढ़ में भ्रमण करेंगी।

एच9एन2 के मामले को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में किया प्रश्न

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। एच9एन2 के मामले को लेकर सांसद सुधीर गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया। सांसद गुप्ता ने कहा कि सरकार को उत्तरी चीन में एच9एन2 वायरस के मामलों और बच्चों में मांस संबंधी बीमारियों के प्रकोप की जानकारी है और वह इसके प्रकोप की निगरानी कर रही है। देश में रिपोर्ट किए गए मामलों और देखे गए लक्षण क्या है। एच 9एन2 के प्रकोप की पृष्ठभूमि में देश में एवियन इन्फ्लुएंजा के संबंध में किए गए उपायों और मानवों में इसके संक्रमण के जोखिमों संबंधी किए गए आकलनों क्या है और इसके परिणाम क्या प्राप्त हुए है। उन्होने कहा कि सरकार द्वारा कोविड वैश्विक महामारी के बाद से देश में स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। सरकार का बीमारियों के प्रकोप की जांच करने और मनुष्यों, पशुपालकों और वन्य जीव क्षेत्रों में निगरानी को सुदृढ़ करने के लिए कोई निगरानी या समन्वय इकाई स्थापित करने का विचार है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या निवारक कदम उठाए गए हैं। प्रश्न के जवाब में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दिनांक 14 नवंबर, 2023 की अपनी रिपोर्ट में सूचित किया है कि दिनांक 7 नवंबर, 2023 को चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने एवियन इन्फ्लुएंजा ए (एच9एन2) के एक सत्यापित मामले की सूचना दी है। साझा की गई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में, चीन में एवियन इन्फ्लूएंजा ए (एच 9 एन 2) (मृत्यु रहित) के साथ कुल 7 मामले सामने आए हैं। इस मामले से संबंधित एवियन इन्फ्लुएंजा ए (एचएन2) के किसी क्लस्टरिंग या प्रकोप की सूचना विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा नहीं दी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा समग्र जोखिम मूल्यांकन से पता चलता है कि मानव से मानव में संक्रमण फैलने की संभावना कम है और डब्ल्यूएचओ को अब तक सूचित एच9एन2 के मानव संबंधी मामलों में मृत्यु दर कम रही है। उन्होने बताया कि समुदाय में एबियन इन्फ्लूएंजा के प्रकोपों के नियंत्रण और रोकथाम में सहायता करने के लिए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एवियन इन्फ्लुएंजा के मानव संबंधी मामलों के प्रबंधन के लिए एक आकस्मिक योजना जारी की है जिसमें निगरानी, आइसोलेशन और क्वेरेनटाईन संबंधी दिशानिर्देश, परीक्षण प्रोटोकॉल, संक्रमण, रोकथाम और नियंत्रण (आईपीसी) प्रोटोकॉल, केमो-प्रोफिलैक्सिस और उपचार प्रोटोकॉल के साथ-साथ की जाने वाली आईईसी क्रियाकलापों के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। इसी प्रकार, पशुपालन विभाग ने एवियन इन्फ्लुएंजा के निवारण, नियंत्रण और रोकथाम के लिए कार्य योजना भी जारी की है जो पशु आबादी में निगरानी और प्रकोप रोकथाम उपायों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करती है।

उन्होने बताया कि मनुष्यों में रोग की निगरानी के संदर्भ में, रोग प्रकोपों का समय पर पता लगाने की अनुमति देने के लिए, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के तहत रोग निगरानी क्रियाकलापों को मजबूत किया गया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय जूनोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिए नेशनल वन हेल्थ कार्यक्रम के तहत रोग निगरानी, संयुक्त प्रकोप नियंत्रण और रोकथाम कार्यकलापों के संदर्भ में समन्वय और सहयोग को सुकर बनाने के साथ-साथ जूनोटिक रोगों के प्रकोप का समय पर पता लगाने और उसे कम करने के लिए सामुदायिक जागरूकता में सुधार करके मानव, पशु और वन्यजीव स्वास्थ्य क्षेत्रों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहा है।

बोलेरो की टक्कर से बुजुर्ग घायल, ड्राइवर पर केस दर्ज

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बोलेरो की टक्कर से एक बुजुर्ग घायल हो गया। मामले में पुलिस ने आरोपी ड्राइवर पर केस दर्ज किया है।

दलौदा पुलिस के अनुसार मामला महू-नीमच हाइवे रोड आक्या सरसौद फंटे का है। जीवन पिता रणछोड़ सूर्यवंशी निवासी मावता थाना कालूखेड़ा जिला रतलाम ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बोलेरो पिकअप क्रमांक एमपी-09-जीएच-0807 के अज्ञात ड्राइवर ने वाहन को तेज व लापरवाहीपूर्वक चलाकर फरियादी के पिता रणछोड लाल की बाइक को टक्कर दे मारी, जिससे वे घायल हो गए। उनके बाएं पैर में चोट लगी। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर पर केस दर्ज कर लिया है।

ई स्टांप आया तो चलन से बाहर हुए गैर न्यायिक स्टांप अब किया जा रहा नष्ट

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में ई स्टांप शुरु होने से गैर न्यायिक स्टांप चलन से बाहर हो गए हैं। अब इन्हें कहीं उपयोग नहीं किया जा रहा था। प्रदेश के कोषालयों में रखे गैर न्यायिक स्टांपों को नष्ट किया जा रहा है। कोषालय के बाहर मशीन लगाकर इन्हें नष्ट किया गया। इसके कागज को गलाने के लिए भेजा जाएगा। स्टांप का कहीं दूसरी जगह उपयोग न हो, इसलिए उसे निगरानी में नष्ट किया जाएगा। कोषालय में करीब 20 लाख स्टांप रखे हुए थे। 100 रुपए से लेकर 25 हजार तक का स्टांप है। इनकी कीमत 1227 करोड़ रुपए है।

प्रदेश में नासिक प्रेस से स्टांप छपकर आते थे। यह नोट की तरह की तरह ही छपता था। लेकिन, प्रदेश में ई स्टांप व ई पंजीयन की व्यवस्था शुरु होने पर छपे स्टांप की बिक्री खत्म हो गई। यह कोषालयों में रखा हुआ था। सरकार ने इन्हें नष्टकरने के लिए एसके ट्रेडर्स को ठेका दिया है, जो स्टांप की मशीन कटिंग कर रही है। छोटे-छोटे टुकड़े कर बोरों में भरा जा रहा है। पूरी कटिंग अधिकारियों की निगरानी में की गई। स्टांप की कटिंग को देखकर लोग हैरान रह गए। वहां कटिंग कर रहे लोगों से सवाल भी किए कि इन्हें क्यों काटा जा रहा है।

जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम 26 को

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। खेल और युवा कल्याण विभाग म.प्र. द्वारा भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार जिला संभाग एवं राज्य स्तर पर 08 विधाएं लोकगीत, लोकनृत्य, एकल लोकनृत्य, एकल लोकगीत, कहानी लेखन, पोस्टर मेकिंग, भाषण एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। जिला एवं संभाग स्तर पर युवा उत्सव का आयोजन वर्च्युअल किया जावेगा एवं संभाग स्तर पर चयनित दल राज्य स्तर पर भौतिक रूप से अपनी प्रस्तुति देगा। राष्ट्रीय युवा उत्सव - 2023 का आयोजन पुणे (महाराष्ट्र) में 12 से 16 जनवरी 2024 के मध्य आयोजित होने प्रस्तावित है। युवा उत्सव में भाग लेने हेतु प्रतिभागियों की आयु 15 से 29 वर्ष की स्थिति में निर्धारित की गई है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी अपने प्रदर्श का वीडियो बनाकर फोटो, जन्मतिथि संबंधित दस्तावेज, आधार कार्ड एवं मूल निवासी की फोटो कॉपी 26 दिसम्बर 2023 को सायं 05 बजे तक कार्यालय जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी मिनी खेल परिसर, केंद्रीय विद्यालय के पास एम.आई.टी चौराहा मंदसौर में जमा कर पंजीयन करा सकेंगे। युवा उत्सव संबंधित अधिक जानकारी के लिए प्रतिभागी कार्यालय समय मे आकर या श्रीमती रुबीना खान प्रशिक्षक से मोबाइल न. 8839344051 या श्री गोपाल धनगर युवा समन्वयक मोबाइल न. 9669180577 पर प्राप्त कर सकते है।

सम्मान, सेवा एवं दुलार पहल के तहत केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों को वृद्धाश्रम का कराया भ्रमण

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर के द्वारा नई पीढ़ी को वृद्धजनों के प्रति संवेदनशील बनाने एवं उनके प्रति आत्मीय प्रेम जागृत किये जाने के संबंध में भी नवाचार करते हुये एक नई पहल सम्मान, सेवा और दुलार की शुरूआत की गई है। जिसके अन्तर्गत विभिन्न स्कूली बच्चों को वात्सल्यधाम वृद्धाश्रम में विजिट कराया जा रहा है। केन्द्रीय विद्यालय, मंदसौर के विद्यार्थियों की टीम द्वारा वद्धाश्रम में विजिट की गई। इस दौरान विद्यालय के बच्चे वात्सल्यधाम वृद्धाश्रम में निवासरत् वृद्धजन से मिलें, उनसे बातचित की,

उनकी समस्याओं और अनुभवों का जानने का प्रयास किया और साथ ही विद्यार्थियों द्वारा वृद्धजन हेतु योगा, गायन एवं कविता पाठ भी किया गया। वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्ध विमलचंद बचो से मिलकर बहुत प्रसन्न हुये और उनके द्वारा व्यक्त किया गया कि वह अपने पोते को बहुत याद करता है, परंतु उसका पोता उनसे मिलने नहीं आता है। आज स्कूली बच्चों से मिलकर उन्हें अत्यन्त खुशी एवं आनंद की अनुभूति हुई और उन्हें लगा जैसे उनका पोता ही उनसे मिलने आ गया है।

जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर के सचिव श्री हर्ष सिंह बहरावत ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा इस पहल के अन्तर्गत विभिन्न स्कूली बच्चों को वृद्धाश्रम में विजिट करवाकर वृद्धजनों की सेवाकार्य किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया जायेगा। इस मुहिम से वृद्धजनों को भी बच्चों से बातचित करने का सुखद अवसर प्राप्त होगा और दुलार स्वरूप उन्हें ऐसा अपनत्व भाव उत्पन्न होगा, जो उन्हें खुशी प्रदान करेगा और उन्हें आत्मसंतुष्टिकी अनुभूति देगा। इस मुहिम सम्मान, सेवा और दुलार में प्राधिकरण के साथ मिलकर इस मुहिम को अधिक से अधिक सार्थक एवं सफल बनावें। इस कार्यक्रम जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार, श्रीमति प्रियंका राजोरा, श्री कृष्णा बैरागी, पैरालीगल वालेन्टियर, केन्द्रीय विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

टोल प्लाजा पर नहीं पड़ेगी फास्टैग की जरूरत इस नई टेक्नोलॉजी से होगा कलेक्शन

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मे कहा कि सरकार मौजूदा राजमार्ग टोल प्लाजा को बदलने के लिए अगले साल मार्च तक जीपीएस-आधारित टोल टैक्स सिस्टम पेश करेगी। इस कदम का उद्देश्य ट्रैफिक को कम करना और राजमार्गों पर यात्रा की गई सटीक दूरी के लिए चालकों से शुल्क लेना है। गडकरी ने कहा, 'सरकार टोल प्लाजा को बदलने के लिए जीपीएस-आधारित टोल सिस्टम पर विचार कर रही है।'

फास्टैग की जगह लेगा जीपीएस आधारित टोल टैक्स सिस्टम–उन्होंने कहा कि हम अगले साल मार्च तक देश में नया जीपीएस सैटेलाइट आधारित टोल कलेक्शन शुरू करेंगे। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, 'मंत्रालय ने ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहलान प्रणाली की दो पायलट परियोजनाओं की शुरूआत की है। इससे रीडर कैमरे वाहनों को रोके बिना टोल टैक्स वसूल लेगा।'

फास्टैग से वेटिंग टाइम में हुआ सुधार–2018-19 के दौरान टोल प्लाजा पर वाहनों के लिए एवरेज वेटिंग टाइम 8 मिनट था। 2020-21 और 2021-22 के दौरान फास्टैग की शुरुआत के साथ वाहनों का औसत प्रतीक्षा समय 47 सेकंड तक कम हो गया था। हालांकि शहरों के पास और घनी आबादी वाले कस्बों में वेटिंग समय में सुधार हुआ है। पीक आवर्स के दौरान टोल प्लाजा पर थोड़ी देर होती है।

सरकार सड़क परियोजनाओं के लिए बोली लगाएगी–नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार अगले साल लोकसभा चुनाव से पहले एक हजार किमी से कम लंबाई की राजमार्ग परियोजनाओं के लिए बिल्ड ऑपरेट ट्रांसफर मॉडल पर 1.5-2 लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं की बोली लगाएगी। उन्होंने कहा, 'हम राजमार्ग निर्माण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट ट्रस्ट्स मॉडल को सपोर्ट करेंगे। इनविट्स निवेशकों से पैसा एकत्र करने और परिसंपत्तियों में इंवेस्टमेंट करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो समय के साथ नकदी प्रवाह प्रदान करेगा।'

स्वदेशी जागरण मंच द्वारा कलेक्टर को चाइनीज मांझे पर पूर्णतया प्रतिबंध हेतु ज्ञापन दिया

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। आज स्वदेशी जागरण मंच द्वारा मंदसौर कलेक्टर नगर पालिका अधिकारी को चाइनीज मंजो पर पूर्णतया प्रतिबंध हेतु ज्ञापन दिया गया स्वदेशी जागरण मंच के संगठन मंत्री दिलीप व्यास राजेश चौहान जिला संयोजक अंकुश पालीवाल जिला सहसंयोजक महेंद्र सिंह राजावत तहसील संयोजक दिलीप चौधरी तहसील सहसंयोजक गोविंद सिंह सिसोदिया नगर सहसंयोजक अभिजीत मंडलोई सतीश बैरागी सूरज सिंह शक्तावत वीरेंद्र आर्य राहुल जी भाटी शिवराज सिंह शक्तावत सुनील पाटीदार तथा जिला धार्मिक उत्सव समिति विनय डूबेला सुभाष गुप्ता पंछी बचाओ अभियान राकेश भाटी अंकित बैरागी रोटी सेवा बैंक सुनील बंसल रेड आर्मी दीपक राठौड़ अन्य सामाजिक संगठन ने अपना समर्थन इस ज्ञापन में दिया यह संपूर्ण जानकारी जिला सहसंयोजक महेंद्र सिंह राजावत द्वारा दी गयी।

प्रमुख रूप से जिला धार्मिक उत्सव समिति, विनय डूबेला, सुभाष गुप्ता, पंछी बचाओ अभियान, राकेश भाटी, अंकित बैरागी रोटी सेवा बैंक, सुनील बंसल, रेड आर्मी दीपक राठौड़ अन्य सामाजिक संगठन अपना समर्थन दिया। स्वदेशी जागरण मंच के संगठन मंत्री दिलीप व्यास राजेश चौहान जिला संयोजक अंकुश पालीवाल जिला सहसंयोजक महेंद्र सिंह राजावत तहसील संयोजक दिलीप चौधरी तहसील सहसंयोजक गोविंद सिंह सिसोदिया नगर सहसंयोजक अभिजीत मंडलोई सतीश बैरागी सूरज सिंह शक्तावत वीरेंद्र आर्य राहुल भाटी शिवराज सिंह शक्तावत सुनील पाटीदार यह संपूर्ण जानकारी जिला सहसंयोजक महेंद्र सिंह राजावत द्वारा दी गई।

विद्यार्थी अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहकर निरंतर अध्ययन में लगे रहें-अटोलिया

नगरी, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। छात्र-छात्राओं को अपने लक्ष्य का निर्धारण कर लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर सक्रियता के साथ प्रयास करते रहना चाहिऐं अपने करियर का निर्धारण कर उसे प्राप्त करने के लिए कृत संकल्पित रहते हुए सकारात्मक रहकर अध्ययन करना चाहिए।स्व निर्माण के साथ ही विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देना चाहिऐं विद्यार्थियों को परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शासन की मैधावी विद्यार्थी योजनाओं का लाभ भी लेना चाहिऐं उक्त विचार भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नाना लाल अटोलिया ने नगर के शासकीय उच्तर माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक उत्सव समापन के दौरान पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में कक्षा 9 वी से 12वी तक के लगभग 122 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेलकूद एवम रंगमंचीय कार्यक्रम में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी सम्मिलित रहे। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि एवम सांसद प्रतिनिधि घनश्याम बग्गड़, उपाध्यक्ष घनश्याम अटोलिया,सेवानिवृत्त शिक्षक रामप्रताप वाकतरिया भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संयोजन प्रभारी प्राचार्य रीता शर्मा एवं यशवंत धाकड़ ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका शंकर सिंह चौहान, कमलेश धाकड़ ,गोपाल धाकड़ , मोहन लाल डोहरा, रिलीफ पछोलिया , दौलतराम ठन्ना , कारूलाल साहू, प्रयागी सिसोदिया, गोवर्धनलाल धाकड़, कविता शर्मा, जयंत राठौर भी समिल्लित रहे। कार्यक्रम का संचालन अनिल सुथार ने एवं आभार भंवर लाल सागित्रा ने माना।

कलेक्टर ने सुशासन दिवस की दिलाई शपथ

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित सुशासन के उच्तम मापदण्डों के महत्व को प्रतिपादित करते हुये उनके जन्म दिवस 25 दिसम्बर के एक दिन पूर्व 24 दिसम्बर रविवार एवं 23 दिसंबर को शनिवार का शासकीय अवकाश होने के कारण समस्त कार्यालयों में 22 दिसम्बर को सुशासन दिवस के रूप में मनाये जाने के निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में सभी शासकीय अधिकारियों कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई।

सुशासन दिवस पर शपथ - मैं सत्य निष्ठा से शपथ लेता हूँ/लेती हूँ कि मैं प्रदेश में सुशासन के उच्तम मापदण्डों को स्थापित करने के लिये सदैव संकल्पित रहूंगा/रहूँगी और शासन की और अधिक पारदर्शी, सहभागी जनकल्याण केंद्रित तथा जवाबदेह बनाने के लिये हर संभव प्रयास करता रहूंगा/रहूंगी। प्रदेश के नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लक्ष्य को पाने के लिये सदैव तत्पर रहूंगा/रहूँगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान, एसडीएम श्री शाक्य सहित अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। सुशासन दिवस पर जिले के अन्य शासकीय कार्यालयों में भी सुशासन की शपथ दिलाई गई।

कलेक्टर ने चार आदतन बदमाशों को किया जिलाबदर

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा म.प्र.राज्य लोक शांति एवं सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(क)(ख) के तहत चार आदतन अपराधी यशपालसिंह पिता दशरथसिंह राजपूत निवासी दीपाखेड़ा थाना सीतामऊ, जुल्फीकार उर्फ बड्डा पिता एहमद मथारिया निवासी मुल्तानपुरा थाना यशोधर्मन नगर मंदसौर, कुलदीपसिंह उर्फ लाला पिता राजेन्द्र राजपूत निवासी दीपाखेड़ा थाना सीतामऊएवं भूरा उर्फ भुरु पिता एहमद मथारिया निवासी मुलतानपुरा थाना यशोधर्मन नगर मंदसौर को जिलाबदर करने का आदेश जारी किया है। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने आदेशित किया है, कि ये जिला बदर अवधि में मंदसौर जिले की राजस्व सीमा के साथ ही नीमच, रतलाम, उज्जैन, आगर मालवा एवं शाजापुर जिले की राजस्व सीमा में बगैर अनुमति के प्रवेश नहीं कर सकेगा।

विकास योजनाओं के लिए मध्य प्रदेश को केंद्र सरकार ने दिए 5,727 करोड़ रुपये

भोपाल, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। केंद्र सरकार ने विभिन्न सामाजिक कल्याण उपायों और बुनियादी ढांचागत विकास योजनाओं के लिए मध्य प्रदेश को 5,727 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। यह केंद्रीय करों और शुल्क से प्राप्त राजस्व में प्रदेश के निर्धारित हिस्से के अतिरिक्त है। जनवरी 2024 में राज्य को केंद्रीय करों और शुल्क से प्राप्त राजस्व का हिस्सा दिया जाएगा।

मध्य प्रदेश का केंद्रीय करों में हिस्सा 80,183 करोड़ रुपये–वर्ष 2023-24 में प्रदेश का केंद्रीय करों में हिस्सा 80,183 करोड़ रुपये है। किस्तों में मिलने वाली यह राशि वित्तीय वर्ष समाप्त होने के पहले पूरी मिल जाएगी। केंद्र सरकार ने इसके अतिरिक्त पांच हजार 727 करोड़ रुपये प्रदेश के लिए स्वीकृत कर जारी कर दी गई है।

अधोसंरचना विकास के कामों में गति आएगी–इससे अधोसंरचना विकास के कामों में गति आएगी। सरकार सड़क, सिंचाई सहित अन्य परियोजनाओं में इस राशि का उपयोग करेगी। साथ ही सामाजिक कल्याण की योजनाओं के लिए भी अतिरिक्त राशि की व्यवस्था हो सकेगी।

सीएम मोहन यादव ने माना आभार–इस निर्णय पर मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताया। उन्होंने कहा कि विकास पथ पर तेजी से आगे बढ़ना प्रधानमंत्री की गारंटी है। अतिरिक्त राशि आवंटन के निर्णय से राज्य में सर्वस्पर्शी, समावेशी और सार्वभौमिक विकास को नई गति मिलेगी।

महिला आरक्षक से छेड़छाड़...

पेज 1 से जारी

दर्ज किया गया है। मामले में पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया ने बताया कि आबकारी विभाग में पदस्थ एसआई वैभव ठाकुर के खिलाफ महिला आरक्षक ने शिकायत दर्ज करवाई है। एसआई अभी फरार है, गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

परमिट से ज्यादा डोडाचूरा ले जाने वाले आरोपियों को...

10-10 वर्ष का सश्रम कारावास व जुर्माने से दंडित किया

मंदसौर, 22 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। माननीय अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट मंदसौर द्वारा आरोपीगण (1) गोपाल पिता रामचन्द्र पाटीदार उम्र 30साल नि0 गुडभेली (2) दिलीप पिता छगनलाल पाटीदार उम्र 22साल नि0 गुडभेली (3) श्यामलाल पिता भगतराम पाटीदार नि0 ढिकनिया थाना सीतामउ जिला मंदसौर को डोडाचूरा तस्करी करने का दोषी पाते हुए 10-10 वर्ष का सश्रम कारावास और 1-1 लाख रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा घटना के संबंध में बताया कि दिनांक 21.03.2013 को थाना नारायणगढ के उनि एसएस राठौर को मुखबिर सूचना मिली कि श्यामलाल पिता भगतराम जिसने आबकारी विभाग से खडपालिया से गुडभेली गोदाम में डोडाचूरा भरकर संग्रहरण कर लाने का परमिट बना रखा है इस परमिट से ज्यादा डोडाचूरा वाहन टाटा 407 से खडपालिया से गुडभेली तरफ जायेगें। उक्त सूचना पर कार्यवाही हेतु उनि राठौर मय फोर्स के थाने से रवाना होकर बूढा चिल्लौद पिपलिया के बीच रोड पर नाका बंदी करते टाटा 407 वाहन रोककर उसमें बैठे तीन व्यक्तियों जिसमें वाहन ड्रायवर रवि पिता भागीरथ राठौर नि. बूठा, दिलीप पिता छगनलाल नि. गुडभेली, गोपाल पिता रामचन्द्र नि0 गुडभेंली के कब्जे वाले वाहन टाटा 407 से 48 बोरे डोडाचूरा बजन करीब 22 क्विंटल 48 किलो कीमत 6 लाख 25 हजार रूपये के उक्त डोडाचूरा को जप्त कर आरोपीगण को गिरफतार किया गया। बाद थाने पर वापसी उपरांत आरोपीगण के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया व संपूर्ण अनुसंधान उपरांत माननीय न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।

मान. न्यायालय द्वारा अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्कों सें सहमत होकर आरोपी को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का संचालन एडीपीओ दीपक जमरा द्वारा किया गया।

✻ आवश्यक सूचना ✻

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मुकेश पिता कन्हैयालाल जारिया वार्ड क्र.4 मकान-44 ग्राम ताल जिला रतलाम का निवासी हुं तथा ग्राम में ही स्थित मेरी मकान की रजिस्ट्री की प्रथम पृष्ठ गुम हो गई है या मिल नहीं रही है। कोई भी उसका दुरुपयोग नही करे सर्वसाधारण सूचित हो।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भूखण्ड क्रमांक EWS.B.232 जो की श्री भास्कर चम्पक पिता गोपाल राव चम्पक को मण्डल आदेश क्रमांक 8738 दिनांक 16.12.1986 द्वारा आवंटित किया गया था।

श्री भास्कर चम्पक पिता गोपाल राव चम्पक द्वारा उक्त भूखंड का विक्रय अनुबंध कर श्री राजेंद्र कटलाना पिता रामचंद्र कटलाना को कर दिनाक 18.03.1989 को भूखंड का विक्रय अनुबंध उप पंजीयक कार्यालय मदसौर में पंजीयन निष्पादित करवा दिया है। श्री राजेंद्र कटलाना पिता रामचंद्र कटलाना का स्वर्गवास दिनांक 21.04.2021 को हो जाने से एवं इनकी पत्नी श्रीमती सरोज कटलाना पति स्व. श्री राजेन्द्र कटलाना का स्वर्गवास दिनांक 25.04.2021 को हो जाने से इनके पुत्र श्री परितोष कटलाना पिता स्व. श्री राजेंद्र कटलाना अपने एक मात्र भाई श्री अंकित कटलाना पिता स्व. श्री राजेंद्र कटलाना की सहमति एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भूखंड का नामांतरण श्री परितोष कटलाना पिता स्व. श्री राजेंद्र कटलाना अपने नाम करवाना चाहते हैं।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे। समयावधि व्यतीत हो जाने पर भूखंड क्रमांक EWS.B. 232 संजीत मार्ग मंदसौर का नामान्तरण श्री परितोष कटलाना पिता स्व. श्री राजेंद्र कटलाना नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग-रतलाम (मप्र)

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

शनिवार दिनांक 23 दिसम्बर को शाम 5 से रात 8 और रविवार 24 दिसम्बर को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं-✻ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✻ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✻ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✻ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✻ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✻ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✻ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✻ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in